www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
29.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 96.325g
चांदी 97,900kg

2 भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

सूटकेस में मिला रिकवरी एजेंट की पत्नी का शव 04

वर्ष :08 | अंक :327 | मुंबई, सोमवार, 19 मई, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

महिला को बचाने के लिए हिंडन नहर में छलांग लगाने वाले सिपाही की मौत

गाजियाबाद में शनिवार को आत्महत्या का प्रयास कर रही महिला को बचाने के क्रम में हिंडन नहर में छलांग लगाने वाले एक यातायात पुलिस कांस्टेबल (सिपाही) की डूबने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सिपाही की पहचान अंकित तोमर (20) के रूप में हुई। उसे गोताखोरों द्वारा कीचड़ भरी नहर से बाहर निकाले जाने के बाद नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, घटना तब हुई जब वैशाली सेक्टर 2 की निवासी और मूल रूप से सरधना, मेरठ की रहने वाली 23 वर्षीय आरती ने हिंडन नहर में छलांग लगा दी। छह महीने पहले आदित्य नामक व्यक्ति से प्रेम विवाह करने वाली आरती का कथित तौर पर सुबह उसके पति से झगड़ा हुआ था। ट्रांस हिंडन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निमिष पाटिल ने बताया कि, पास में ही ड्यूटी पर मौजूद यातायात उप निरीक्षक (टीएसआई) धर्मेंद्र और सिपाही अंकित तोमर ने आरती को बचाने के लिए तुरंत नहर में छलांग लगा दी। कई राहगीर भी बचाव कार्य में शामिल हुए। आरती को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन टीएसआई और तोमर नहर की कीचड़ भरी सतह में फंस गए। उन्होंने बताया, टीएसआई किसी तरह खुद को बाहर निकालने में कामयाब रहे, लेकिन तोमर फंस गए।

ईओएस-09 उपग्रह प्रक्षेपण असफल, इसरो ने बताई इसके पीछे की वजह

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 18 मई की सुबह अपना 101वां प्रक्षेपण किया, जो दुर्भाग्य से पूरा नहीं हो सका। इसरो ने ईओएस-09 सैटेलाइट को लेकर पीएसएलवी-सी61 को सुबह 5:59 बजे लॉन्च किया था। शुरूआती दो चरणों में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन तीसरे चरण में एक समस्या के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका। इसरो के अनुसार, तीसरे चरण में मोटर केस के चैम्बर में दबाव गिरने से मिशन प्रभावित हुआ। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बताया कि वे पूरे प्रदर्शन की समीक्षा कर रहे हैं और जल्द ही विस्तृत जानकारी देंगे। इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज 101वां प्रक्षेपण करने का प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। तीसरे चरण में एक अवलोकन के कारण, मिशन पूरा नहीं हो सका।' बता दें, ईओएस-09 सैटेलाइट एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह था, जो मौसम और पर्यावरण की निगरानी करने में सक्षम था। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के अनुसार, पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल 4-चरण वाला रॉकेट है

चारमीनार के पास बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 17 की मौत, पीएम मोदी ने घटना पर दुख जताया

भीषण आग

▸▸चश्मदीद जाहिद ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि मुख्य दरवाजे से अंदर नहीं जा सके, शटर और दीवार तोड़कर पहली मंजिल पहुंचे, लेकिन सब जल चुका था। फायर ब्रिगेड ने अच्छा काम किया, पर आग तेज थी। सभी मृतक एक ही परिवार के थे, पीछे से कोई रास्ता नहीं था।

मृतकों में 8 बच्चे भी थे; संकरी सीढ़ी से निकल नहीं पाए

एजेंसी

हैदराबादः तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में ऐतिहासिक चारमीनार इलाके में स्थित फेमस गुलजार हाउस आवासीय परिसर में आज सुबह भीषण आग लग गई. इस घटना में 17 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए. घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया. इस बीच आग पर काबू पा लिया गया. आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया. पुलिस घटना की जांच में जुटी है. मरने वालों में दो बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं. हैदराबाद में चारमीनार की ओर जाने वाली एक सड़क के किनारे स्थित गुलजार हाउस में रविवार सुबह करीब 6 बजे अचानक भीषण आग लग गई. इसकी सूचना पुलिस और फायर डिपार्टमेंट को दी गई. सूचना पाकर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने में जुट गए. हालांकि इस बीच आग की चपेट में आने से कई लोग झुलस गए. बिल्डिंग में धुंआ फैलने से कई लोग बेहोश हो गए. मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों, डीआरएफ, जीएचएमसी और पुलिस कर्मियों ने बिल्डिंग में फंसे कई लोगों को बचाया. हालांकि इस दौरान 17 लोगों की मौत हो गईमरने वालों में दो बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं. खबर है कि दमकलकर्मियों ने 11 दमकल गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया. आग इमारत की पहली मंजिल पर लगी. घायलों को उस्मानिया, यशोदा (मलकपेट), डीआरडीओ और अपोलो अस्पताल ले जाया गया.

पीएम मोदी ने घटना पर दुख जताया

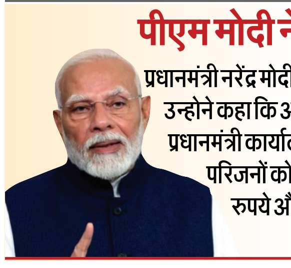

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलजार हाउस घटना पर दुख जताया. उन्होने कहा कि आग में लोगों की मौत से वह बहुत दुखी हैं. प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की गई.

सीएम रेवंत रेड्डी ने जताया दुख

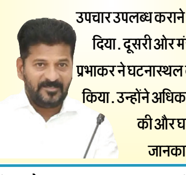

सीएम रेवंत रेड्डी ने इस दुर्घटना पर दुख जताया. उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई. उन्होंने कहा कि वे पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं. सीएम ने अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का आदेश दिया. दूसरी ओर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने अधिकारियों से बात की और घटना की जानकारी ली.

मृतकों के नाम

आठ मृतकों की पहचान हुई है जिनमें 1. राजेंद्र कुमार (67) 2. अभिषेक मोदी (30) 3. सुमित्रा (65) 4. मुन्नीबाई (72) 5. आरुषि जैन (17) 6. शीतल जैन (37) 7. इराज (2) 8. अरशदी गुप्ता (7) शामिल हैं. 9. रजनी अग्रवाल 10. आन्या मोदी 11. पंकज मोदी 12. वर्षा मोदी 13. इद्दिकी मोदी 14. ऋषभ 15. प्रथम अग्रवाल 16. प्रांशु अगरवा शामिल हैं.

पाकिस्तान की जिन चौकियों से गोली चली, हमने उन्हें मिट्टी में मिला दिया :भारतीय सेना

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो भारतीय सेना ने किया सांझा

सेना के पश्चिमी कमांड ने एक्स पर वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'योजना बनाई, प्रशिक्षित किया और निष्पादित किया, न्याय किया गया।' वीडियो में सेना के अधिकारी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक सबक था, जिसे उसने दशकों तक नहीं सीखा था।

एजेंसी

नई दिल्ली , पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने रविवार को एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें बताया गया कि 10 मई को पाकिस्तान की जिन चौकियों से सीजफायर का उल्लंघन हुआ था, उन्हें जवाबी कार्रवाई में मिट्टी में मिला दिया गया।वहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच आज डीजीएमओ स्तर की बातचीत नहीं होगी। सेना ने बताया कि 12 मई को दोनों देशों की बातचीत में जो सीजफायर पर सहमति बनी थी, उसकी कोई आखिरी तारीख तय नहीं की गई है। यह समझौता आगे भी जारी रहेगा। इधर, डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने राहुल गांधी के विदेश मंत्री पर लगाए आरोपों पर कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद हमने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि हम आतंक के अड्डों पर हमला करेंगे। पाकिस्तान ने बातचीत से इनकार कर दिया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी।विदेश मंत्रालय ने भी राहुल के आरोपों पर सफाई दी और कहा- विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने ऑपरेशन शुरू होने के बाद की बात की थी, न कि पहले की।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कहा था, 'हमारे हमले की शुरूआत में पाकिस्तान को जानकारी देना अपराध है। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से माना है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए।' पहलगाम आतंकी हमला 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित पहलगाम की बैसरन घाटी में हुआ था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी और 20 से अधिक लोग घायल हुए थे। हमलावरों ने हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया और उन्हें गोली मारी। इसके बाद भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया और पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया।

पिथौरागढ़ पहुंचे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, सेना के जवानों से की मुलाकात, ग्रामीणों ने किया स्वागत

केंद्रीय जेपी नड्डा ने जवानों के साथ बातचीत की, उनके साहस और समर्पण की सराहना की

आदि कैलाश एवं पार्वती कुंड के निकट विराजमान भगवान शिव के मंदिर में जाकर पूर्ण विधि-विधान से भगवान शिव की आराधना की. इस दौरान जेपी नड्डा ने देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की.

एजेंसी

पिथौरागढ़ः केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा पिथौरागढ़ पहुंचे. जहां जेपी नड्डा ने सेना के जवानों से भेंट की. इसके साथ ही स्थानीय लोगों से भी जेपी नड्डा ने मुलाकात की. साथ ही उन्होंने वाइब्रेंट विलेज के अंतर्गत संचालित कार्यों की जानकारी ली.जेपी नड्डा अपने आदि कैलाश ओम पर्वत भ्रमण के तहत आज पूर्वाह्न 11:45 बजे गुंजी हेलीपैड पर पहुंचें. जहां स्थानीय लोगों ने जेपी नड्डा को रंग संस्कृति की पगड़ी पहनाकर पारंपरिक ढंग से उनका स्वागत किया गया. उसके बाद जेपी नड्डा आर्मी गेस्ट हाउस पहुंचे. जहां उन्होंने सेना, आईटीबीपी तथा एसएसबी के जवानों से मुलाकात की. जिसमें उन्होंने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा के लिए तैनात हथियारों व उपकरणों की जानकारी ली।

यूट्यूबर ज्योति पहलगाम हमले के पहले पाकिस्तान गई थी

भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर से संबंध; ओडिशा की यूट्यूबर के भी घर पहुंची पुलिस

ज्योति के पिता ने क्या कहा?

एएनआई समाचार एजेंसी ने मल्होत्रा के हवाले से बताया, 'उसने यूट्यूब वीडियो बनाए। वह पाकिस्तान और अन्य जगहों पर जाती थी। अगर उसके वहां कुछ दोस्त हैं, तो क्या वह उन्हें फोन नहीं कर सकती? मेरी कोई मांग नहीं है, लेकिन हमें हमारे फोन दे दो। हमारे खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।' ज्योति के पिता ने यह भी बताया कि उनकी बेटी ने पाकिस्तान जाने से पहले सभी आवश्यक अनुमतियां ले ली थीं।

एजेंसी

हिसार , जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान गई थी। हरियाणा के हिसार के एसपी शशांक कुमार सावन ने रविवार दोपहर को कहा कि पाकिस्तानी उसे एसेट के तौर पर डेवलप कर रहे थे। वह स्पॉन्सर्ड ट्रिप पर पाकिस्तान जाती थी। ज्योति की भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर दानिश से नजदीकी थी। उसके यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' पर अपलोड किए गए वीडियो से ही इस बात का पता चला। इसके बाद पूछताछ में ज्योति ने इस बात की पुष्टि की।शशांक कुमार ने कहा- केंद्रीय एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर ज्योति को गिरफ्तार किया गया है। वह पाकिस्तान में करक के संपर्क में थी। पुलिस उसके बैंक खातों, मोबाइल और लैपटॉप की जांच कर रही है। उसका खर्च आमदनी से कहीं ज्यादा था। इस मामले में सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर से मिलाया हाथ

बिहार की राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर?

▸▸पूर्व केंद्रीय मंत्री आर सी पी सिंह बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले रविवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए। सिंह ने अपनी पार्टी आप सबकी आवाज का जन सुराज में विलय करने की भी घोषणा की।

एजेंसी

बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी रहे आरसीपी सिंह ने रविवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी जॉइन कर ली। उन्होंने अपनी पार्टी 'आप सबकी आवाज' का जन सुराज पार्टी में विलय भी कर दिया। इसके बाद आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर ने जेडीयू के कई बड़े नेताओं पर निशाना साधा और जमकर हमला बोला। यह घटनाक्रम बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है। प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह का आभार जताते कहा कि वह नई व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए जन सुराज से जुड़े हैं।

स्टालिन ने 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राष्ट्रपति के सवालों का विरोध करने का आग्रह

○राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 14 प्रश्न रखे हैं.

एजेंसी

चेन्नईः तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए समय सीमा के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राष्ट्रपति के सवालों का विरोध करने का आग्रह किया. साथ ही एक समन्वित कानूनी रणनीति की वकालत की है.सीएम स्टालिन ने इस संबंध में रविवार को पश्चिम बंगाल सहित आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है. डीएमके प्रमुख स्टालिन ने कहा कि यह सर्वविदित है कि सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार क्षेत्राधिकार को लागू नहीं किया जा सकता है या प्रयोग नहीं किया जा सकता है जब संबंधित मामले में अदालत के आधिकारिक फैसले द्वारा पहले ही निर्णय दिया जा चुका हो.उन्होंने आरोप लगाया, फिर भी केंद्र की भाजपा सरकार ने संदर्भ मांगने पर जोर दिया है, जो उनके कपटी इरादे की ओर इशारा करता है. उन्होंने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अनुरोध किया कि वे राष्ट्रपति की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भेजे गए इस संदर्भ का विरोध करें.17 मई को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, हमें न्यायालय के समक्ष एक समन्वित कानूनी रणनीति बनानी चाहिए ।

जम्मू-कश्मीरः प्रमुख बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए 4000 पूर्व सैनिकों की तैनाती को मंजूरी

▸▸जम्मू-कश्मीर सरकार ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे जैसे- बिजली स्टेशनों, पुलों आदि की सुरक्षा के लिए 4000 भूतपूर्व सैनिकों की तैनाती की मंजूरी दे दी है.

एजेंसी

जम्मूः जम्मू-कश्मीर के सैनिक कल्याण बोर्ड ने केंद्र शासित प्रदेश में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए पूर्व सैनिकों की तैनाती का प्रस्ताव रखा था. इस प्रस्ताव को अब जम्मू-कश्मीर सरकार ने औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी है. यह समुदाय आधारित सुरक्षा को मजबूत करने और पूर्व सैन्य कर्मियों की क्षमताओं का दोहन करने की दिशा में बड़ा कदम है. पीआरओ रक्षा (जम्मू) सुनील बर्तवाल ने एक बयान में इस फैसले की जानकारी दी.स्वीकृत योजना के अनुसार, इस पहल के लिए 4,000 भूतपूर्व सैनिक वॉलंटियर्स की पहचान की गई है.

टिप्पणी | **पुलिस ने किया गिरफ्तार**

अशोक विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली महमूदाबाद ने ऑपरेशन सिंदूर पर की थी टिप्पणी

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर । हरियाणा के सोनीपत में एक निजी विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई टिप्पणी के लिए गिरफ्तार किया गया है। भाजपा युवा मोर्चा के एक नेता की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। अली के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। राई के सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह ने फोन पर कहा, 'अली खान महमूदाबाद को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।' उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी कुछ टिप्पणियों के सिलसिले में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अशोका विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को आज सुबह पुलिस हिरासत में लिया गया है। हम मामले की विस्तृत जानकारी जुटा रहे हैं।' बयान में कहा गया, 'विश्वविद्यालय जांच में पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग करेगा।' हरियाणा राज्य महिला आयोग ने इससे पहले एसोसिएट प्रोफेसर अली महमूदाबाद को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई टिप्पणी के लिए नोटिस भेजा था। 12 मई को जारी नोटिस में आयोग ने महमूदाबाद के सार्वजनिक बयानों का स्वतः संज्ञान लिया है, जो सोनीपत के अशोका विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख हैं। आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा, 'हम देश की बेटियों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को सलाम करते हैं। लेकिन राजनीति विज्ञान पढ़ाने वाले प्रोफेसर ने उनके लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है, मुझे उम्मीद थी कि वह कम से कम आज आयोग के सामने पेश होंगे और खेद व्यक्त करेंगे।' महमूदाबाद की टिप्पणियों को आयोग के नोटिस के साथ संलग्न किया गया था, जिनमें से एक में कहा गया था कि कर्नल कुरैशी की सराहना करने वाले दक्षिणपंथी लोगों को भीड़ द्वारा हत्या और संपत्तियों को 'मनमाने ढंग से' गिराए जाने के पीड़ितों के लिए सुरक्षा की मांग करनी चाहिए। एसोसिएट प्रोफेसर ने कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की मीडिया ब्रीफिंग को 'दिखावटी' बताया था। उन्होंने कहा था, 'लेकिन दिखावटीपन को जमीनी हकीकत में बदलना चाहिए, नहीं तो यह सिर्फ पाखंड है।'

आयोग ने कहा कि महमूदाबाद की टिप्पणियों की प्रारंभिक समीक्षा से कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर सिंह समेत महिला सैन्य अधिकारियों के अपमान और भारतीय सशस्त्र बलों में पेशेवर अधिकारियों के रूप में उनकी भूमिका को कमतर आंकने के बारे में चिंताएं पैदा हुई हैं।

अशोका विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को आज सुबह पुलिस हिरासत में लिया गया है। हम मामले की विस्तृत जानकारी जुटा रहे हैं।' बयान में कहा गया, 'विश्वविद्यालय जांच में पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग करेगा।'

पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो : मनोज सिन्हा

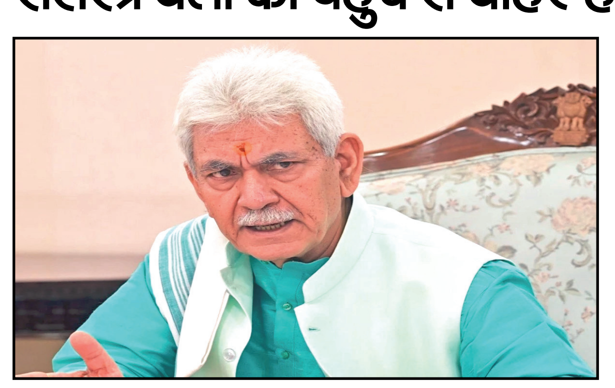

सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हुए हैं।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन ने संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया से गुहार लगानी शुरू कर दी। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो। उपराज्यपाल ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और यह भी कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारा पड़ोसी कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट करने पर तुला हुआ है।

मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिला होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।

सिन्हा ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

सम्पादकीय

सर्वदलीय प्रतिनिधि, बेनकाब होगा पाकिस्तान

किसी भी देश को यह नहीं लगना चाहिए कि भारत अपनी पीड़ा बयान करने आया है बल्कि उन्हें यह दो टूक संदेश जाना चाहिए कि यदि पाकिस्तान बाज नहीं आया तो आपरेशन सिंदूर जैसा फिर कुछ होगा और इसके लिए कहीं न कहीं वे भी जिम्मेदार होंगे। हमारे प्रतिनिधिमंडलों को यह भी कहना चाहिए कि भारत उनसे शांति और संयम का उपदेश सुनने के लिए तैयार नहीं। पहलगाम में भीषण आतंकी हमला कराने वाले पाकिस्तान को आपरेशन सिंदूर के जरिये पस्त करने के बाद भारत ने उसके आतंकी चेहरे को बेनकाब करने के लिए विश्व के प्रमुख देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का जो निर्णय लिया, वह समय की जरूरत थी। इन सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तापक्ष के साथ विपक्ष के नेता भी करेंगे। इन प्रतिनिधिमंडलों में पक्ष-विपक्ष के कई सांसद होंगे। अच्छा होगा कि प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने और उनमें शामिल होने वाले नेताओं को लेकर कोई विवाद न पैदा होने दिया जाए। पाकिस्तान पोषित आतंकवाद के खिलाफ पक्ष-विपक्ष को एकजुट होना ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के लिए जो सांसद सर्वथा उपयुक्त माने जा रहे थे, उनमें शशि थरूर सबसे आगे थे, क्योंकि वह लंबे समय तक संयुक्त राष्ट्र में रहे हैं, कूटनीति के अच्छे जानकार हैं और उनकी विद्वता एवं वाकपटुता के उनके विरोधी भी कायल हैं। समझना कठिन है कि कांग्रेस ने उनका नाम प्रस्तावित करना आवश्यक क्यों नहीं समझा? सरकार ने उनका चयन करके बिल्कुल सही किया। बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी हैं। वह मोदी सरकार के कट्टर आलोचक हैं, लेकिन उन्होंने पहलगाम की आतंकी घटना और फिर आपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को जैसी खरी-खरी सुनाई, उससे उनके आलोचक भी दंग रह गए। उन्होंने अपने तीखे तेवरों से पाकिस्तान को बेनकाब करने के साथ देश के विपक्षी दलों के कई नेताओं को यह पाठ पढ़ाया कि दलगत हित के बजाय देशहित को कैसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह तो स्पष्ट है कि इन प्रतिनिधिमंडलों से देश में भी सकारात्मक वातावरण निर्मित होगा और आम लोग यह समझेंगे कि जब बात देश के हितों की हो तो हर तरह के मतभेद भुलाने होते हैं, लेकिन यह कहना कठिन है कि हमारे प्रतिनिधिमंडलों की बातों से दुनिया के प्रमुख देश कितना प्रभावित होंगे, क्योंकि वे इससे अनजान तो नहीं कि पाकिस्तान आतंकियों को पालने-पोसने वाला देश है और 9/11 हमले की साजिश रचने वाला लादेन एवं उसके कई गुर्गे वहीं पाले जा रहे थे। किसी भी देश को यह नहीं लगना चाहिए कि भारत अपनी पीड़ा बयान करने आया है, बल्कि उन्हें यह दो टूक संदेश जाना चाहिए कि यदि पाकिस्तान बाज नहीं आया तो आपरेशन सिंदूर जैसा फिर कुछ होगा और इसके लिए कहीं न कहीं वे भी जिम्मेदार होंगे। हमारे प्रतिनिधिमंडलों को यह भी कहना चाहिए कि भारत उनसे शांति और संयम का उपदेश सुनने के लिए तैयार नहीं।

आज का विचार

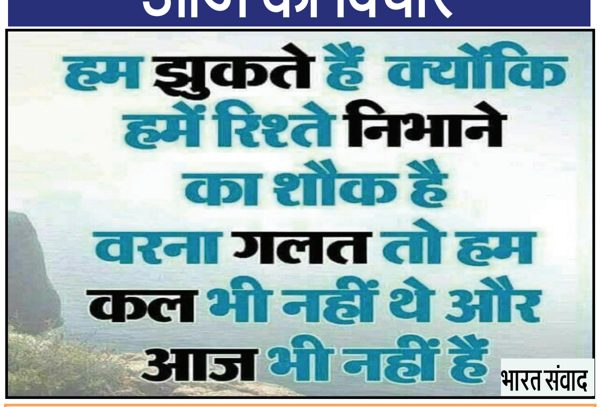

मेष राशि : दिन अनुकूल रहने वाला है. आपके खर्चों में कमी आएगी और अटका धन प्राप्त होगा, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा. लव लाइफ में सुखद समय रहेगा, पार्टनर के लिए कुछ दिखावा कर सकता है.

वृषभ राशि : वृषभ राशि का दिन अच्छा हो सकता है. धन का निवेश करने से बचें क्योंकि आपके खर्चे बढ़ेंगे तो स्थिति से तालमेल बिठाना थोड़ा मुश्किल हो जाएगा. परिवार का सहयोग मिलता रहेगा, जिससे काम भी आसानी से बन जाएंगा. भाग्य का सितारा बुलंद होने से कार्यों में सफलता मिलेगी.

मिथुन राशि: दिन अनुकूल रहने वाला है. काम पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे अच्छे नतीजे भी मिलेंगे. आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं और किसी बड़े व्यक्ति का सहयोग से आपके काम भी पूरे होंगे. सामाजिक कार्यों को करने से सम्मान के रूप में कोई पुरस्कार भी मिल सकता है.

कर्क राशि: दिन अनुकूल साबित होगा, भाग्य का साथ मिलेगा. किसी सरकारी अधिकारी की मदद से महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. नौकरी पेशा जातकों के प्रॉजेक्ट्स से अच्छे परिणाम की प्राप्ति होगी. आपका कारोबार आगे बढ़ सकता है और नए ऑर्डर भी मिल सकते हैं.

सिंह राशि : दिन मध्यम फलदायी रहने वाला है. आपके कुछ कार्य अटक सकते हैं तो कुछ काम बन भी जाएंगे. व्यापार के सिलसिले में आपकी योजनाओं से अच्छे परिणाम मिलेंगे. विदेश में रहने वालों को अच्छा लाभ मिलेगा.

कन्या राशि : कन्या राशि वालों का दिन महत्वपूर्ण रहेगा. ठंडे मौसम की वजह से आपका मन किसी भी काम में नहीं लगेगा. इनकम में कमी आएगी और कुछ जरूरी खर्चे भी बढ़ सकते हैं. व्यापारियों को कल बड़ी सफलता मिल सकती है और कोई बड़ा ऑर्डर भी मिलेगा.

तुला राशि : तुला राशि वालों का दिन अनुकूल रहने वाला है. कार्यक्षेत्र के कुछ जरूरी काम बन जाने से मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. व्यापार में अच्छे लाभ के योग बन रहे हैं. किसी अच्छे फायदे के सौदे से अच्छा मुनाफा भी मिलेगा.

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों का दिन अनुकूल रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में अपने काम पर पूरा ध्यान देंगे और कोई नया काम भी हाथ में ले सकते हैं. नौकरीपेशा जातकों पर काम का दबाव रहेगा. आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिससे आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ें. गृहस्थ जीवन में रोमांस और प्यार बढ़ेगा.

धनु राशि : धनु राशि वालों का दिन अनुकूल रहने का संकेत मिल रहा है. लव लाइफ को खूबसूरत बनाने की कोशिश करेंगे और पार्टनर के लिए कोई अच्छी ड्रेस ला सकते हैं, जिससे रिश्ता मजबूत होगा. गृहस्थ जीवन में गलतफहमियां दूर होंगी और नजदीकियां बढ़ेंगी. पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा.

मकर राशि : मकर राशि वालों का दिन अच्छा रहने वाला है. मित्रों से अनबन की स्थिति बन सकती है, इसलिए क्रोध और स्वयं पर नियंत्रण रखें, मामले को आगे बढ़ाने से नुकसान होगा. किसी बात को लेकर मन में दुविधा रहेगी, उसके समाधान के लिए किसी करीबी से चर्चा कर सकते हैं. आपके सामाजिक कार्यों से परिवार का सम्मान बढ़ेगा.

कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों का दिन अच्छा रहेगा, लेकिन सर्द मौसम की वजह से स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे. पेट दर्द, एसिडिटी और ऐंठन भी परेशान कर सकते हैं, सेहत का ध्यान रखें और पर्याप्त नींद लेने की कोशिश करें. पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा. व्यापार में अधिक प्रयास से सफलता मिलेगी.

मीन राशि : मीन राशि वालों का दिन बेहद अनुकूल रहने वाला है और आपको चिंताओं से मुक्ति मिलेगी. आप में जबरदस्त आत्मविश्वास रहेगा, जो कुछ नया करने की प्रेरणा देगा. नौकरी पेशा जातकों के प्रभाव में वृद्धि होगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

> भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है। इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ। इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति—नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी

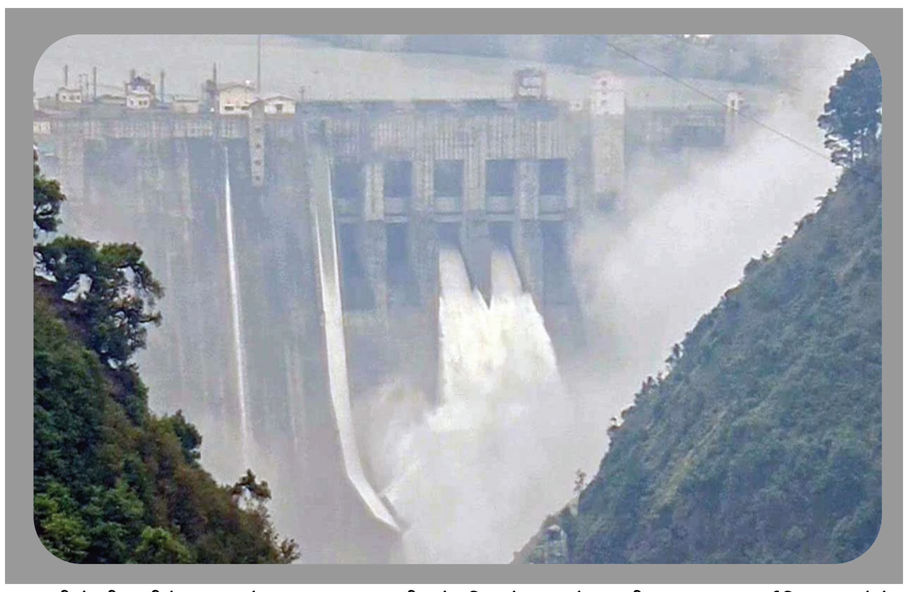

इस नदी से की जाती है। भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। 2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।" प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, ₹सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।₹ अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, ₹सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।₹ भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तजा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, ₹सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।₹ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ 'बदलावों' के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की 'समीक्षा' करने की भी बात की थी। इसमें 'सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि 'सीमा पार से आतंकवाद' इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। 15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं। सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा। भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगी‍ तो टेररिज्म पर होगी‍ पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

नया मुल्क बलूचिस्तान : कितना कठिन कितना आसान

(मुकेश कबीर-विभूति फीचर्स)

आखिरकार पाकिस्तान के प्रांत बलूचिस्तान ने अपनी आजादी की घोषणा कर दी और अब उसने भारत सहित यूएनओ से स्वतंत्र राष्ट्र के रुप में मान्यता देने की गुहार भी लगाई है। बलूचिस्तान बीते कई वर्षों से पाकिस्तान के जुल्म और शोषण का विरोध करते हुए आजादी की लड़ाई लड़ रहा है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में बलूचिस्तान का एक अलग देश के रूप में मान्यता प्राप्त करना इतना आसान नहीं लगता जितनी आसानी से बांग्लादेश बन गया था। असल में बांग्लादेश का उदाहरण देखकर ही बलूचिस्तान सबसे ज्यादा उम्मीदें भारत से रखता है लेकिन बांग्लादेश और बलूचिस्तान में बहुत फर्क है। बांग्लादेश के अलग देश बनने में पाकिस्तान के अलावा किसी अन्य देश को आपत्ति नहीं थी जबकि बलूचिस्तान के मामले में सबका समर्थन मिलना आसान नहीं है। आज यदि भारत मान्यता दे भी दे तो भी बलूचिस्तान अलग राष्ट्र नहीं बन पाएगा। किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संयुक्त राष्ट्र में मान्यता मिलना जरूरी है। आज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देश एकतरफा बलूचिस्तान के साथ तो दिखाई नहीं दे रहे हैं। खासकर चीन और अमेरिका के हित पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं इसलिए चीन तो बलूचिस्तान को मान्यता देना ही नहीं चाहता और अमेरिका दुविधा में है। अमेरिका ईरान में तो बलूचिस्तान का समर्थन करता है लेकिन इधर पाकिस्तान की उपेक्षा नहीं करना चाहता। इसलिए अमेरिका का रुख पूरी तरह साफ नहीं है। अलग देश की मान्यता के लिए सुरक्षा परिषद के सदस्यों का दो तिहाई बहुमत मिलना जरूरी है, अभी सिर्फ रूस और फ्रांस से ही बलूचिस्तान समर्थन की उम्मीद कर सकता है। इस स्थिति में चीन बलूचिस्तान के खिलाफ वीटो करेगा यह साफ दिखाई देता है। चीन को अपने इकोनॉमिक कोरिडोर के लिए बलूचिस्तान की बहुत जरूरत है और अभी पाकिस्तान की सहमति और सहयोग से ही चीन की पहुंच बलूचिस्तान तक बनी हुई है। बलूचिस्तान के पाकिस्तान से अलग होते ही उसका इकोनॉमिक कोरिडोर का सपना हमेशा के लिए टूट जाएगा और तब चीन बलूचिस्तान को एक और ताइवान नहीं बना सकेगा। चीन के वीटो के चलते ब्रिटेन और अमेरिका पर बलूचिस्तान की निर्भरता बढ़ेगी लेकिन यह दोनों देश अभी तक अनिर्णय की स्थिति में दिखाई देते हैं। इसका मतलब है कि फिलहाल पांच में से तीन देश अभी बलूचिस्तान के पक्ष में नहीं लगते इसलिए मान्यता का मामला टल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय नियमानुसार बलूचिस्तान को स्वायत्तता की गारंटी मिलने की संभावना तो है क्योंकि जब कोई देश अपनी आजादी की घोषणा करता है तो उसको स्वायत्तता की गारंटी मिल जाती है। जैसे कोसोवो को मिली हुई है, कोसोवो को सर्बिया से अलग हुए काफी समय हो चुका है फिर भी कोसोवो को एक स्वतंत्र देश की मान्यता नहीं मिल सकी लेकिन उसे स्वायत्तता की गारंटी मिल चुकी है इसलिए सर्बिया उसके ऊपर हमला नहीं कर सकता, उसको जबर्दस्ती फिर से हासिल नहीं कर सकता लेकिन बलूचिस्तान इस मामले में भी बदकिस्मत है। पाकिस्तान और सर्बिया में बहुत फर्क है। पाकिस्तान अपने स्वार्थ के लिए नियमों को दरकिनार करने की बीमारी से पीड़ित है और दूसरा पाकिस्तान की बदसलूकी को अमेरिका भी पर्दे के पीछे से सपोर्ट कर देता है और चीन तो प्रत्यक्ष सपोर्ट करता ही है इसलिए पाकिस्तान आसानी से बलूचिस्तान को छोड़ने वाला नहीं है। संभावना तो यह है कि अब पाकिस्तान बलूचों से बदला लेने की पूरी कोशिश करेगा, इसलिए अब बलूचों पर अत्याचार भी बढ़ सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बलूच विद्रोह ने पाकिस्तान को दोहरी मुश्किल में डाला था। बलूच धरती पाकिस्तान की सबसे बड़ी ताकत है खासकर आर्थिक नजरिए से। बलूचिस्तान की खदानें पाकिस्तान की रीढ़ हैं, बलूचिस्तान अलग होते ही पाकिस्तान बहुत ज्यादा कमजोर हो जाएगा। बांग्लादेश बनने से पाकिस्तान इतना कमजोर नहीं हुआ होगा जितना बलूचिस्तान के अलग होने से होगा। इसलिए पाकिस्तान किसी भी हालत में बलूचिस्तान को हाथ से नहीं जाने देगा। यही कारण है कि पाक सेना के रावलपिंडी हेडक्वार्टर में बलूच आंदोलन को दबाने की तैयारी भी होने लगी है। पाकिस्तान के स्वभाव और वर्तमान हालात को देखते हुए लगता है कि इस बार बलूचों पर जरूरत से ज्यादा अत्याचार होने वाला है। पाकिस्तान अब हमेशा के लिए बलूचियों को कुचलना चाहेगा, वह पहले भी ऐसा करता रहा है। सत्तर के दशक में भी पांच हजार बलूच विद्रोहियों को पाकिस्तान ने मार दिया था। इस बार पाकिस्तान ज्यादा घातक हमला करेगा। उस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाएगी। कम से कम स्वायत्तता की गारंटी के नियम को बचाने के लिए। यदि संयुक्त राष्ट्र बलूचिस्तान को स्वायत्त देश बनाकर भी रख सके तो यह बलूचियों की बहुत बड़ी जीत होगी। फिर आज नहीं तो कल बलूचिस्तान बन ही जाएगा। जहां तक भारत का सवाल है तो बलूचिस्तान सबसे पहले भारत से मान्यता चाहता है। बलूचिस्तान भारत को अपनी अंतराष्ट्रीय आवाज मानता है और जैसे भारत ने बांग्लादेश बनाया वैसी ही अपेक्षा अपने लिए करता है। लेकिन वर्तमान में भारत के लिए बांग्लादेश की तरह बलूचिस्तान बनाना बहुत मुश्किल होगा। पहले तो भारत की दखल देने की नीति भंग होगी और दूसरी ओर कश्मीर पर भी भारत का पक्ष कमजोर होगा। आज भारत का फोकस बलूचिस्तान नहीं पीओके पर है इसलिए भी भारत बलूचिस्तान का उतना खुलकर सपोर्ट नहीं करेगा जितना बांग्लादेश का किया था। जहां तक मान्यता देने का सवाल है तो भारत को जितना जल्दी हो सके बलूचिस्तान को मान्यता देने पर विचार करना चाहिए क्योंकि बलूचिस्तान का अलग होना भारत के लिए सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। बलूचिस्तान में चीन का वर्चस्व बढ़ते ही भारत के लिए ज्यादा मुश्किलें खड़ी होंगी। इन परिस्थितियों में अब देखना यही है कि भारत मान्यता देता है या नहीं। वैसे भारत अभी आधा अधूरा कदम नहीं उठाना चाहेगा क्योंकि केवल भारत के मान्यता देने से ही बलूचिस्तान नहीं बनेगा उसको संयुक्त राष्ट्र से भी मान्यता लेना होगी। यही कारण है कि भारत गंभीरता पूर्वक विचार करने के बाद ही बलूचिस्तान को मान्यता देगा। बलूचिस्तान फिर भी यही चाहता है कि भारत उसे सबसे पहले मान्यता दे क्योंकि वह भारत की अंतर्राष्ट्रीय ताकत जानता है और उसे काफी सालों से भारत का समर्थन मिलता भी रहा है।

बदलती दुनिया में पेरेंटिंग और शिक्षा पर पुनर्विचार करना

विजय गर्ग

आज की जमकर प्रतिस्पर्धात्मक और तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा को अक्सर बच्चे के भविष्य की बुनियाद माना जाता है. भारत भर में और वास्तव में विश्व स्तर पर शैक्षणिक उपलब्धि को अक्सर सफलता का सबसे विश्वसनीय संकेतक माना जाता है। माता-पिता अपने बच्चों को यह सुनिश्चित करने के लिए बड़ी लंबाई में जाते हैं कि वे निजी ट्यूशन में निवेश करें, उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में दाखिला दें, और हर ग्रेड पर सावधानीपूर्वक ध्यान दें। जबकि इस तरह के प्रयास प्रेम और महत्वाकांक्षा से प्रेरित होते हैं, शिक्षाविदों पर यह संकीर्ण ध्यान सीमित हो सकता है। एक बच्चा तथ्यों से भरा होने वाला कंटेनर नहीं है, बल्कि एक अद्वितीय व्यक्ति है जिसके व्यक्तित्व, भावनात्मक कल्याण और चरित्र का पोषण किया जाना चाहिए। जैसा कि कहावत है, ₹सभी काम और कोई भी खेल जैक को सुस्त लड़का नहीं बनाता है इसलिए, पेरेंटिंग रिपोर्ट कार्ड से बहुत परे है। यह एक दीर्घकालिक जिम्मेदारी है जिसमें भावनात्मक समर्थन, मूल्य-निर्माण और बच्चों को जीवन के अपरिहार्य उतार-चढ़ाव को नेविगेट करने के लिए तैयार करना शामिल है। महामारी ने हमारे शैक्षिक और पेरेंटिंग फ्रेमवर्क में कई दरारें उजागर कीं। स्कूल बंद होने और दिनचर्या बाधित होने के साथ, माता-पिता को कई भूमिकाएँ निभानी थीं: शिक्षक, भावनात्मक एंकर और निरंतर साथी। भारत में, यह चुनौती डिजिटल विभाजन-कई बच्चों द्वारा जटिल थी, विशेष रूप से ग्रामीण या आर्थिक रूप से वंचित समुदायों में, ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच का अभाव था। यह दोहरी बोझ-अकादमिक निरंतरता और मानसिक कल्याण-तेज फोकस में लाया गया है जो पेरेंटिंग और शिक्षा के लिए अधिक समग्र और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आज, दुनिया सिर्फ अकादमिक ज्ञान से अधिक मूल्यों। नियोक्ता और संस्थान तेजी से ऐसे व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं जो रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलनशीलता और महत्वपूर्ण सोच प्रदर्शित करते हैं। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 इस विकास को मान्यता देती है, जो एक अच्छी तरह से गोल शैक्षिक मॉडल को बढ़ावा देती है। लेकिन नीतियां केवल परिवर्तन नहीं चला सकती हैं। यह माता-पिता हैं, जिन्हें घर पर इन सिद्धांतों को गले लगाना और उनका पालन करना चाहिए, बच्चों को अपने हितों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए-यह संगीत, खेल, कला या उद्यमिता-और उन्हें आत्म-मूल्य और उद्देश्य की एक मजबूत भावना बनाने में मदद करता है। मानसिक स्वास्थ्य, एक बार एक हश-हश विषय, आखिरकार मुख्यधारा की पेरेंटिंग बातचीत में स्वीकार किया जा रहा है।

अध्ययनों से पता चलता है कि किशोरों के बीच भारत में चिंता और अवसाद की दर सबसे अधिक है। इसमें से अधिकांश तीव्र शैक्षणिक दबाव, सीमित पारिवारिक संचार और भावनात्मक सत्यापन की कमी से उपजा है। सोशल मीडिया के युग में, बच्चे लगातार अवास्तविक मानकों और तुलना के संपर्क में आते हैं, जिससे उनके तनाव का स्तर और बढ़ जाता है। यहां, माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक रोगी श्रोता होने के नाते, खुले संवाद को बढ़ावा देना, और विकास के हिस्से के रूप में विफलता को सामान्य करना बच्चे के दृष्टिकोण को बदल सकता है। चरित्र विकास और मूल्य पेरेंटिंग का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। स्कूल केवल नैतिकता और अच्छे व्यवहार को भड़काने में इतना कुछ कर सकते हैं। यह घर पर है कि बच्चे अपने माता-पिता का पालन करके ईमानदारी, दया, सम्मान और सहानुभूति के बारे में सीखते हैं।

'राउत की किताब पढ़ने के बाद लोगों के मन से ईडी और जेल का डर हो जाएगा खत्म': उद्धव ठाकरे

मुंबई में संजय राउत के पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला.

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः सरकारें आती-जाती रहती हैं. यह सरकार भी कल चली जाएगी. इस सरकार ने भारत को, जो स्वर्ग के समान है, नर्क बना दिया है. अगर हम इसे फिर से स्वर्ग बनाना चाहते हैं, तो हमें इस सरकार को उखाड़ फेंकना होगा. हमें एक नई पीढ़ी तैयार करनी होगी जो इसके लिए लड़ेगी. ये बातें शिवसेना यूबीटी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहीं. वे संजय राउत की पुस्तक 'नरकतला स्वर्ग' ('हेवन इन हेल') पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम में बोल रहे थे.उद्धव ठाकरे ने कहा, संजय राउत हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ लिखते हैं. जब महाराष्ट्र में कुछ लोग गलत कर रहे थे, तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, उन्होंने देश के कुछ प्रमुख नेताओं से उनके बारे में सवाल पूछे. इसलिए बदले की भावना से संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई की गई. राउत की किताब पढ़ने के बाद लोगों के मन में ईडी और जेल का डर खत्म हो जाएगा. लोगों को इस किताब से लड़ने की प्रेरणा मिलेगी.इस मौके पर एनसीपी शरद गुट के प्रमुख शरद पवार भी पहुंचे थे. उन्होंने भी पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि, संजय राउत की किताब 'नरकतला स्वर्ग' नई पीढ़ी को प्रेरित कर रही है. इस किताब से प्रेरणा लेकर एक पीढ़ी उठ खड़ी होगी और अन्याय के खिलाफ लड़ेगी.शरद पवार ने कहा, संजय राउत की जेल में बिताए गए अनुभव और यादें, मुलाकातें किताब में व्यक्त की गई हैं.

सोलापुर में बड़ा हादसा, एमआईडीसी में तौलिया फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मरने वालों की संख्या हुई 8

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को एक फैक्टरी में भीषण आग लगने से 3 महिलाओं और 1 बच्चे समेत 8 लोगों की मौत हो गई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सोलापुरः महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को बड़ी अनहोनी हो गई। यहां एक फैक्ट्री में भीषण आग लग जाने के कारण तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोलापुर एमआईडीसी के अक्कलकोट रोड पर स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में तड़के करीब 3:45 बजे आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट लग रहा है। घटनास्थल मुंबई से तकरीबन 400 किलोमीटर की दूरी पर है।

पांच से छह घंटे बाद आग पर पाया काबू

पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में फैक्टरी मालिक हाजी उस्मान

हसनभाई मंसूरी, उनके डेढ़ वर्षीय पोते सहित परिवार के तीन सदस्य और चार श्रमिक शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आग इतनी भीषण थी कि दमकल कर्मियों को इसकी लपटों पर काबू पाने में पांच से छह घंटे का वक्त लगा। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर अग्निशमन कार्य जारी है।

कब लगी आग?

सुबह करीब साढ़े चार बजे तौलिया फैक्ट्री से धुआं निकलने के बाद एमआईडीसी क्षेत्र में भारी हड़कंप मच गया। क्षेत्र के कुछ लोगों ने 108 पर फोन कर दुर्घटना की सूचना दी। इसके बाद कुंभारी उपकेंद्र, मार्डी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सोलापुर जिला अस्पताल से सरकारी एंबुलेंस रवाना हुईं। एमआईडीसी स्थित फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन, राजस्व प्रशासन और दमकल विभाग की गाड़ियां सुबह से ही इस क्षेत्र में आग बुझाने के लिए अथक प्रयास किया। तौलिया फैक्ट्री पूरी तरह से नष्टआग लगने के बाद फैक्ट्री में फंसे कई श्रमिकों को बाहर निकाला गया और 8 लोगों की मौत की खबर है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। इस बीच आठ से दस पानी के ट्रकों के इस्तेमाल के बावजूद आग पर काबू पाने में छह घंटे लग गए। इस दुर्घटना के कारण भारी क्षति हुई और तौलिया फैक्ट्री पूरी तरह से नष्ट हो गई, जिसमें जान-माल की हानि भी शामिल है।

फास्ट ट्रैक

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाघ के हमलों में दो व्यक्तियों की मौत

टीएटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी तरह की एक घटना में, मुल तहसील के शिवपुर-चेक गांव निवासी रूशी पेंडोर की एक बाघ के हमले में मौत हो गई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में ताडोबा-अंधारी बाघ अभयारण्य (टीएटीआर) के बफर जोन में रविवार को बाघ के हमलों में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। यह जानकारी एक वन अधिकारी ने दी।अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक हमला उस समय हुआ जब ग्रामीण तड़के तेंदू पत्ता इकट्ठा करने के लिए जंगल में गए थे। अधिकारी ने बताया कि वढोना गांव निवासी मारोती शेंडे (64) पर ब्रम्हपुरी वन प्रभाग के तहत आने वाले नागभीड़ तहसील के तलोधी वन परिक्षेत्र में एक बाघ ने हमला कर दिया जिसमें वह जख्मी हो गए।उन्होंने बताया कि वनकर्मियों ने मारोती को सिंदेवाही के एक ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। टीएटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी तरह की एक घटना में, मुल तहसील के शिवपुर-चेक गांव निवासी रूशी पेंडोर की एक बाघ के हमले में मौत हो गई।उन्होंने बताया कि रूशी पेंडोर शनिवार को लापता हो गया था और अभयारण्य के बफर जोन अंतर्गत मुल रेंज में तलाशी अभियान के दौरान उसका शव बरामद किया गया। इसी के साथ, 10 मई से चंद्रपुर जिले में मानव-पशु संघर्ष के कारण आठ मौतें हुई हैं, जिनमें सिंदेवाही तहसील में तीन महिलाओं पर हमला भी शामिल है।

दूल्हे की बारात जैसी है सांसदों को विदेश भेजने की कवायद, संजय राउत ने सरकार की कूटनीतिक पहल पर उठाए सवाल

राउत ने कहा, 'इस बारात को भेजने की कोई आवश्यकता नहीं थी। प्रधानमंत्री कमजोर हैं। इसे जल्दबाजी में करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उपमुख्यमंत्री का बेटा विदेश में क्या प्रतिनिधित्व करेगा?' उन्होंने सवाल पूछा, 'भाजपा ने इसका राजनीतिकरण कर दिया है, उन्हें हर चीज में राजनीति करने की आदत है। भारत ब्लॉक को इस बारात का बहिष्कार करना चाहिए।'

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ सैन्य वृद्धि के मुद्दे पर सरकार के सांसदों को विदेश भेजने के फैसले पर सवाल उठाया है। उन्होंने इस कदम की तुलना दूल्हे की बारात से करते हुए कहा कि यह अनावश्यक है। सरकार ने हाल ही में विभिन्न दलों के सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडलों को कई देशों में भेजने का फैसला किया है, ताकि भारत की स्थिति को समझाया जा सके और पाकिस्तान पर आतंकवाद को पनाह देने का आरोप लगाते हुए उस पर दबाव बनाया जा सके।राउत ने कहा, 'इस बारात को भेजने की कोई आवश्यकता नहीं थी। प्रधानमंत्री कमजोर हैं। इसे जल्दबाजी में करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उपमुख्यमंत्री का बेटा विदेश में क्या प्रतिनिधित्व करेगा?' उन्होंने सवाल पूछा, 'भाजपा ने इसका राजनीतिकरण कर दिया है, उन्हें हर चीज में राजनीति करने की आदत है। भारत ब्लॉक को इस बारात का बहिष्कार करना चाहिए।'ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख को दुनिया के सामने रखने के लिए सरकार ने सात प्रतिनिधिमंडल बनाए हैं।इनमें 51 राजनीतिक नेता, सांसद और पूर्व मंत्री शामिल हैं, जिनमें कांग्रेस के शशि थरूर, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले और डीएमके की कनिमोझी जैसे प्रमुख नाम हैं।इन प्रतिनिधिमंडलों में सत्तारूढ़ एनडीए के 31 और गैर-एनडीए दलों के 20 सदस्य हैं। हर प्रतिनिधिमंडल में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि शामिल है। ये प्रतिनिधिमंडल यूके, फ्रांस, जर्मनी, यूरोपीय संघ, इटली और डेनमार्क जैसे देशों का दौरा करेंगे और आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की स्थिति को प्रस्तुत करेंगे।

सीजेआई को महाराष्ट्र के चीफ सेक्रेटरी-DGP ने रिसीव नहीं किया

गवई बोले- महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद जस्टिस बीआर गवई रविवार को पहली बार मुंबई पहुंचे। जहां उन्हें रिसीव करने चीफ सेक्रेटरी, DGP और मुंबई के पुलिस कमिश्नर नहीं पहुंचे। इस पर उन्होंने महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल के कार्यक्रम में निराशा जताई।

CJI गवई ने कहा, 'मैं ऐसे छोटे-मोटे मुद्दों पर बात नहीं करना चाहता, लेकिन मैं इस बात से निराश हूं कि महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। लोकतंत्र के तीनों स्तंभ समान हैं और उन्हें एक-दूसरे के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए।' CJI ने कहा, अगर भारत के चीफ जस्टिस पहली बार महाराष्ट्र आ रहे हैं तो ये उम्मीद की जाती है कि यहां के चीफ सेक्रेटरी, DGP और मुंबई के पुलिस कमिश्नर को मौजूद रहना चाहिए। ऐसा न करना सोचने पर मजबूर करता है।मुंबई में महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल ने CJI का सम्मान समारोह रखा था। इसी दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि जब किसी संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य में आ रहा हो, खासकर जब वह भी उसी राज्य का हो, तो उन्हें खुद ही सोचना चाहिए कि जो व्यवहार किया गया वह सही था या नहीं।सीजेआई गवई ने मराठी में सभा को संबोधित करते हुए उन्हें मिले प्यार और स्नेह के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

इसके पहले वे मुंबई में चैत्यभूमि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर स्मारक भी गए।

भाषण के बीच भावुक हुए CJI गवई

स्पीच के दौरान CJI गवई अपने लिए लोगों का सम्मान और प्यार देखकर भावुक हो गए। उन्होंने कहा- मैं सभी का बहुत आभारी हूं। मुझे जो प्यार और सम्मान मिला है, उससे मैं अभिभूत हूं। 40 साल से मुझे यह प्यार मिल रहा है। आज का समारोह अविस्मरणीय है। मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं ढूंढ पा रहा हूं।14 मई को जब मैंने भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली तो महाराष्ट्र ने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया। पूरे राज्य से लोगों ने समारोह देखने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन सीमाओं के कारण मैं सभी को शामिल नहीं कर सका।

तुर्किये को भारी पड़ रहा पाकिस्तान का समर्थन, IIT बॉम्बे ने किया सभी समझौते रद करने का एलान

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान का साथ देना तुर्किए को काफी महंगा पड़ रहा है। कई भारतीय विश्वविद्यालयों ने तुर्किए के साथ समझौते तोड़ने शुरू कर दिया है और अब इस फेहरिस्त में IIT बॉम्बे का नाम भी जुड़ चुका है। IIT बॉम्बे ने तुर्किए के एक विश्वविद्यालय के साथ किया करार तोड़ दिया है। इससे पहले जेएनयू और एलपीयू ने भी तुर्किए के साथ MoU रद कर दिए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में चला 'बॉयकॉट तुर्किए' का ट्रेंड।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन तुर्किए के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। भारत में एक के बाद एक तुर्किए के लिए कमाई के सारे अवसर बंद हो रहे हैं। एयरलाइंस से लेकर IIT तक तुर्किए की कंपनी और संस्थाओं के साथ किए गए समझौते रद किए जा रहे हैं। अब इस लिस्ट में IIT बॉम्बे का नाम भी शामिल हो चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उठाया कदम

बता दें कि IIT बॉम्बे ने तुर्किए की यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम चलाया था। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्किए ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया, जिसके बाद भारत में तुर्किए के लिए व्यापार के रास्ते धीरे-धीरे बंद होने लगे हैं।

अन्य विश्वविद्यालयों ने भी तोड़ा करार

IIT बॉम्बे से पहले IIT रुड़की ने भी तुर्किए से शैक्षणिक करार खत्म कर दिया था। इसके अलावा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), जामिया मिलिया इस्लामिया और प्राइवेट विश्वविद्यालय लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने भी तुर्किए और अजरबैजान के विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौतों को रद कर दिया था।

महाराष्ट्र के पुणे में बुलडोजर एक्शन, इंद्रायणी नदी किनारे बने 36 अवैध बंगले ढहाने शुरू

महाराष्ट्र के पुणे जिले में पिंपरी चिंचवड़ में शनिवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने इंद्रायणी नदी के किनारे बने 36 अवैध बंगलों को तोड़ना शुरू कर दिया। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई। इन बंगलों को मानसून से पहले गिराना जरूरी था।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणेः महाराष्ट्र के पुणे जिले में पिंपरी चिंचवड़ में शनिवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने इंद्रायणी नदी के किनारे बने 36 अवैध बंगलों को तोड़ना शुरू कर दिया। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई। इन बंगलों को मानसून से पहले गिराना जरूरी था। कोर्ट ने भी पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम (पीसीएमसी) को जल्द कार्रवाई करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो गई याचिका

इससे पहले शनिवार सुबह पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के अधिकारी चिखली गांव पहुंचे। उन्होंने बंगलों को तोड़ने का काम शुरू कर दिया। नगर आयुक्त शेखर सिंह ने बताया कि मानसून में ध्वस्तीकरण अभियान चलाना मुश्किल है। इसलिए अभी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि भूमि और बंगलों के मालिकों ने ठञ्ळ के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने 4 मई को उनकी याचिका खारिज कर दी। साथ ही ढउटउ को इन बंगलों को तोड़ने का आदेश दिया।

क्यों निर्माण हो गया अवैध?

स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ता तानाजी गंभीरे ने इस परियोजना के खिलाफ में शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि बंगले ब्लू लाइन के अंदर बने हैं।

बाल ठाकरे ने अमित शाह को दिलवाई थी जमानत, नरेंद्र मोदी भी गए थे मातोश्री मदद मांगने? संजय राउत ने किताब में किया दावा

संजय राउत की किताब 'नरकातला स्वर्ग' में दावा किया गया है कि बाल ठाकरे ने अमित शाह की मदद की थी जब वे एक एनकाउंटर मामले का सामना कर रहे थे। इस दावे के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मच गई है, बीजेपी ने जांच की मांग की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : शिवसेना के सांसद संजय राउत ने शनिवार को एक किताब लॉन्च की। किताब का नाम है 'नरकातला स्वर्ग'। इसका मतलब है 'नरक में स्वर्ग'। इस किताब में कई दावे किए गए हैं। एक दावा है कि बाल ठाकरे ने अमित शाह की मदद की थी। किताब के अनुसार, अमित शाह गुजरात के MLA थे। उन पर एक एनकाउंटर का केस चल रहा था। बाल ठाकरे ने जज और CBI अफसर से बात करके उनकी जमानत करवाने में मदद की थी।किताब में यह भी लिखा है कि शरद पवार वढअ सरकार में मंत्री थे। तब उन्होंने नरेंद्र मोदी को गिरफ्तार करने का विरोध किया था। उस समय नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। यह बात 2002 के गोधरा दंगों के बाद की है।

चंद्रशेखर बावनकुले ने की जांच की मांग

किताब लॉन्च के मौके पर कई बड़े नेता मौजूद थे। UBT शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे, NCPX(SP) के प्रमुख शरद पवार और गीतकार जावेद अख्तर भी वहां थे। महाराष्ट्र इखढ के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने किताब नहीं पढ़ी है, लेकिन मुझे कुछ अंश भेजे गए थे। संजय राउत ने न्यायिक प्रक्रिया के बारे में कुछ विवादास्पद बातें कही हैं। यह बहुत गंभीर मामला है और इसकी जांच होनी चाहिए।'

गोधरा मामले का जिक्र

चंद्रशेखर बावनकुले ने आगे कहा कि मोदीजी को गोधरा मामले में रउ से क्लीन चिट मिल गई थी और अमित शाह की गिरफ्तारी राजनीतिक थी। संजय राउत नैतिक रूप से दिवालिया हैं और यह सब राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे बोले- मुझे याद नहीं

उद्धव ठाकरे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'अगर मुझसे पूछा जाए कि क्या अमित शाह हमारे घर मदद मांगने आए थे, तो मैं कहूंगा कि मुझे याद नहीं है, क्योंकि जो भी भलाई की जाती है, उसके बारे में बात नहीं करनी चाहिए।'

केंद्र पर भड़के उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के नेताओं को परेशान कर रही है। उन्होंने अनिल देशमुख, अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का उदाहरण दिया। ठाकरे ने कहा कि राज्यों को के तहत मामलों की जांच करने का अधिकार मिलना चाहिए। इससे राज्य सरकार भी केंद्र सरकार के खिलाफ कार्रवाई कर सकेगी। ढटछअ एक कानून है जो काले धन को सफेद करने से रोकता है।एकनाथ शिंदे ने किया पलटवारउपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संजय राउत के दावों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि संजय राउत को नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है।

पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

चेन स्नैचर को लगी गोली, एक फरार; तमंचा और चोरी की बाइक बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद, पुलिस ने चेन स्नैचिंग के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है, जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। थाना मोदीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो चेन स्नैचर मोटरसाइकिल से मेरठ की तरफ जा रहे हैं। चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो बाइक सवारों को रोकने का इशारा किया। आरोपी नहीं रुके और भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। दूसरा बदमाश अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान मेरठ के लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र की शौकत कालोनी निवासी शाहरूख (23) के रूप में हुई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में शाहरूख ने मोदीनगर में निवाड़ी रोड और गोविंदपुरी से दो चेन छीनने की बात कबूली है। गोविंदपुरी में एक और चेन छीनने का प्रयास किया था। मेरठ में भी उसके खिलाफ कई स्नैचिंग के मामले दर्ज हैं। आरोपी से 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, स्नैचिंग से जुड़े 10,000 रुपये और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस फरार बदमाश की तलाश कर रही है।

भतीजे की मौसी ने की हत्या

दुकान से पैसे निकालने पर पीटा और दबा दिया गला, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद, थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने दौलत नगर कॉलोनी की रहने वाली रहमती खातून को गिरफ्तार किया है। रहमती ने अपने 11 वर्षीय भतीजे साहिल की हत्या कर दी थी। साहिल की मां अजमती बिहार में रहती हैं। उन्होंने करीब 9 साल पहले अपने 2 वर्षीय बेटे साहिल को रहमती के पास छोड़ा था। रहमती के कोई संतान नहीं थी। अजमती ने अपनी बेटी को भी रहमती के पास छोड़ा था। तीन साल पहले रहमती के पति रजी अहमद का देहांत हो गया। इसके बाद अजमती अपनी बेटी को वापस ले गई, लेकिन साहिल को रहमती के पास ही छोड़ गई। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम के अनुसार, रहमती परचून की दुकान चलाती थी। साहिल अक्सर दुकान से पैसे चुरा लेता था। वह स्कूल नहीं जाता था और कई

बार कई दिनों तक गायब हो जाता था। 14 तारीख की शाम को साहिल ने दुकान के गल्ले से पैसे निकाल लिए। जब रहमती को इस बात का पता चला तो उसने गुस्से में आकर साहिल की पिटाई की और उसका गला दबा दिया, इसके बाद साहिल बेहोश हो गया। रहमती ने बताया कि उसने उसे होश में लाने की कोशिश की लेकिन वह होश में नहीं आया। स्थानीय लोग डॉक्टर के पास ले गए। जहां डॉक्टर ने साहिल को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मारपीट आई और गले पर निशान मौत का कारण बताया गया है। पुलिस ने रहमती की बहन जो साहिल की मां है बेगूसराय बिहार की रहने वाली है उसकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके रहमती को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

गाड़ी का शीशा तोड़कर चोरी करने वाला बदमाश घायल, दो साथी गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नोएडा, थाना सेक्टर 39 पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने एक बदमाश को मुठभेड़ में घायल किया। दो अन्य बदमाशों को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। सोम बाजार कट के सामने पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान स्कूटी पर सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का इशारा किया। बदमाश नहीं रुके और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए सेक्टर 43 के जंगल की तरफ भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश नदीम को गोली लगी। नदीम दया बस्ती रेलवे कॉलोनी, सराय रोहिल्ला दिल्ली का रहने वाला है। उसके पास से एक तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस और स्कूटी बरामद हुई। नदीम ने 15 मई को सेक्टर 36 में खड़ी एंडेवर कार से 4000 रुपये, आधार कार्ड और अन्य सामान चोरी किए थे। इनमें से 2000 रुपये और आधार कार्ड बरामद हुए हैं। कॉम्बिंग के दौरान नदीम के दो साथी आकाश उर्फ टमाटर और आशीष को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों दया बस्ती रेलवे कॉलोनी, सराय रोहिल्ला दिल्ली के रहने वाले हैं। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला के अनुसार, ये बदमाश

गाड़ियों के शीशे तोड़कर चोरी और लूटपाट करते थे। नदीम पर एक दर्जन से अधिक लूट और चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इनके आपराधिक इतिहास की और जानकारी जुटा रही है।

तालाबों के शहर ठाणे के सिद्धेश्वर तालाब में 24 दिन में तीसरी बार मरी मछलियां

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , तालाबों के शहर के रूप में मशहूर ठाणे शहर में सिद्धेश्वर तालाब में 24 दिनों के भीतर लगातार तीसरी बार सैकड़ों मछलियां मर चुकी हैं। प्रदूषण को साफ करने के मनपा के प्रयास विफल हो गए हैं। इसकी जानकारी देते हुए भाजपा के पूर्व गुटनेता नारायण पवार ने इस घटना पर रोष जताया है। जल प्रदूषण के साथ-साथ मनपा मुख्यालय के पास स्थित सिद्धेश्वर तालाब भी अत्यधिक प्रदूषित हो चुका है। इस तालाब के आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में नागरिक रहते हैं और तालाब के रखरखाव का कार्य एक ठेकेदार को सौंपा गया है। हालाँकि, इस ठेकेदार पर कुछ मनपा अधिकारियों की नजर है। इसलिए, इस तालाब में प्रदूषण को दूर करने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए ।परिणामस्वरूप 24 अप्रैल को मछलियां मर गईं। उस समय मनपा आयुक्त सौरभ राव से शिकायत करने पर उन्होंने तत्काल उपाय करने के आदेश दिए थे। लेकिन, इसके बाद भी तालाब की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। परिणामस्वरूप, 10 मई को मछलियाँ फिर से मर गईं। आज इस झील में सैकड़ों मछलियाँ फिर मृत पाई गईं ।मनपा के प्रदूषण नियंत्रण विभाग को मामले की सूचना देने पर कारण बताया गया कि तालाब में ऑक्सीजन खत्म हो गई है। तालाब का रखरखाव प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा किया जाता है। हालाँकि, मछलियों की मौत की तीन घटनाओं के बावजूद, मौत का कारण पता नहीं चल पाया है। शहर के किसी अन्य तालाब में मछलियों के मरने की कोई घटना नहीं हुई है। इसलिए नारायण पवार ने रोष व्यक्त किया कि सिद्धेश्वर तालाब में प्रदूषण को दूर करने के लिए 24 दिनों में कोई प्रयास नहीं किए गए। नारायण पवार ने पूछा कि क्या यह माना जाना चाहिए कि सिद्धेश्वर तालाब मछलियां इस लिए मृत हो गई है क्योंकि मनपा ने इस तालाब की स्थिति सुधारने में विफल रहा है।

समर्थ रिक्शा, आदर्श रिक्शा के नारे के साथ ठाणे में ई-रिक्शा की शुरूआत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,पुरुष रिक्शा चालकों के बाद अब महिला रिक्शा चालक भी आ गई हैं और अब पहली बार ई-रिक्शा ने भी ठाणे में अपनी शुरूआत की है। महिलाओं ने भी इसमें अग्रणी भूमिका निभाई है। रोटरी क्लब ऑफ लेकसिटी, समर्थ भारत व्यासपीठ की ओर से विधवाओं, विधुरों, ट्रांसजेंडर महिलाओं और कचरा संग्राहकों को निशुल्क ई-रिक्शा वितरित किए गए। समर्थ रिक्शा, आदर्श रिक्शा का नारा देकर यह व्यक्त किया गया कि महिला सशक्तिकरण के लिए ये रिक्शा ठाणे में एक नया संदेश देंगे। करीना आड़े महाराष्ट्र की पहली ट्रांसजेंडर महिला रिक्शा चालक बनीं।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का युग अपनाया जाने लगा है। हालाँकि, सबसे लोकप्रिय वाहन ई-रिक्शा अभी तक महाराष्ट्र में नहीं आया था। समर्थ भारत मंच, रोटरी क्लब ऑफ लेक सिटी और एटोस इंडिया कंपनी द्वारा एक अभिनव पहल लागू की जा रही है, जिसके तहत ठाणे में 15 महिलाओं को मुफ्त ई-रिक्शा उपलब्ध कराया जाएगा, जो विधवा, विधुर, ट्रांसजेंडर और कचरा बीनने वाली हैं। इस पहल के तहत आज 5 महिलाओं को ई-रिक्शा सौंपे गए। ये रिक्शा समाज में हाशिए पर पड़ी और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मुफ्त रिक्शा ड्राइविंग प्रशिक्षण, ड्राइविंग लाइसेंस, बैच और ई-रिक्शा प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने में मदद करेंगे।

रिक्शा वितरण कार्यक्रम नौपाड़ा के रोटरी सेंटर में जिला न्यायाधीश सोनल शाह, परिवहन उपायुक्त पंकज शिरसाट, रोटरी जिला गवर्नर दिनेश मेहता, सहायक मानसिंह खाड़े, माध्यमिक शिक्षा उपायुक्त सचिन सांगले, क्लब अध्यक्ष जगदीश चेलारमानी, समर्थ भारत प्लेटफॉर्म के निदेशक उल्हास कार्ले, निखिल सुले, सेवानिवृत्त आरटीओ अधिकारी कमलेश चव्हाण, प्रसाद तेंदुलकर, अनिरुद्ध वैरागकर, प्रफुल्ल रुईवाले और अनुराधा रोडे की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

पिछले कुछ महीनों में ठाणे क्षेत्र में दुर्घटनाओं में लगभग 20 लोगों की मौत हो चुकी है। यदि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें तो परिवार के कई सदस्य दुर्घटनाओं में मृत्यु से बच जाएंगे। इस अवसर पर यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने आशा व्यक्त की कि महिला रिक्शा चालक यातायात नियमों का उचित पालन करेंगी और समर्थ रिक्शा आदर्श रिक्शा बनेंगे।

रिक्शा वितरण का अगला चरण 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर होगा। उस समय शेष 11 महिलाओं को रिक्शा वितरित किये जायेंगे। आज तीसरी जाति की महिलाओं करीना आड़े, सविता रणपिसे, रत्नावली जाधव, संगीता मांजरेकर और उज्वला शिंदे को मुफ्त रिक्शा वितरित किए गए।

फास्ट ट्रैक

बिजली विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप

जलालाबाद के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा शिकायती पत्र

शाहजहांपुर, जलालाबाद में बिजली विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। नीतीश कटियार के नेतृत्व में स्थानीय प्रतिनिधियों ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की। उन्होंने जेई गजेंद्र पाल सिंह और एसडीओ पी.सी. सागर के खिलाफ शिकायती पत्र सौंपा। प्रतिनिधियों का आरोप है कि दोनों अधिकारी नगर की जनता का उत्पीड़न कर रहे हैं। बिजली चेकिंग अभियान के नाम पर संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों से दलाली करवाई जा रही है। लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है और उनसे अवैध वसूली की जा रही है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि विभाग के उच्च अधिकारियों से बात कर जांच टीम का गठन किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर दोनों अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुवायां में बाइक सवार युवकों को वाहन ने मारी टक्कर

एक बाइक पर सवार 3 की मौत, एक मेडिकल कॉलेज में भर्ती

शाहजहांपुर , खुटार थाना क्षेत्र के गांव सौफरी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। मामा की शादी से लौट रहे चार युवक एक ही बाइक पर सवार थे। रात करीब 1 बजे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 18 वर्षीय आकाश की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल तीन अन्य युवकों को इलाज के लिए रेफर किया गया। इलाज के दौरान 22 वर्षीय शिवम और 18 वर्षीय राजीव की भी मौत हो गई। चौथे युवक अंकित का शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है। सभी युवक बंडा थाना क्षेत्र के गांव पडरी से लखीमपुर खीरी जिले के बिलहरा लौट रहे थे। मृतक शिवम की शादी 30 अप्रैल को हुई थी। उसकी पत्नी के हाथों की मेहंदी भी अभी नहीं छूटी थी। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

ठाणे लोकसभा सांसद नरेश म्हस्के को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न' पुरस्कार घोषित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , अपने ओजस्वी भाषणों से संसद और देश का ध्यान आकर्षित करने वाले ठाणे लोकसभा सांसद नरेश म्हस्के को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। नरेश मस्के को सांसद के रूप में अपने पहले कार्यकाल में इस पुरस्कार की घोषणा से ठाणेकरों में खुशी की लहर फैल गई है। इस पुरस्कार की घोषणा आज नई दिल्ली में संसद रत्न पुरस्कार के संस्थापक प्राइम पॉइंट श्रीनिवासन और संसद रत्न पुरस्कार समिति की अध्यक्ष प्रियदर्शिनी राहुल द्वारा की गई। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की सलाह पर प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन और ई-पत्रिका प्रेजेंस द्वारा 2010 में संसद रत्न पुरस्कार की स्थापना की गई थी। मई 2010 में चेन्नई में आयोजित प्रथम पुरस्कार समारोह का उद्घाटन भी डॉ. कलाम ने ही किया था। उल्लेखनीय है कि हंसराज गंगाराम अहीर इस पुरस्कार के प्रथम प्राप्तकर्ता थे। ये पुरस्कार नागरिक समाज की ओर से प्रदान किये जाते हैं। वर्ष 2024 तक, 14 पुरस्कार समारोहों में 125 पुरस्कार प्रदान किये जा चुके हैं, जिनमें संसद सदस्यों और संसदीय स्थायी समितियों के सदस्यों को सम्मानित किया गया है। प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेता संसद सदस्यों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों वाली एक जूरी समिति, प्रदर्शन आंकड़ों के आधार पर पुरस्कार विजेताओं को नामांकित करती है। यह डेटा लोक सभा और राज्य सभा सचिवालयों के आधिकारिक रिकॉर्डों के साथ-साथ पीआरएस विधायी अनुसंधान से प्राप्त किया जाता है। निष्पादन संकेतकों में आरंभ की गई बहसों की संख्या, प्रस्तुत किए गए निजी सदस्यों के विधेयकों की संख्या और उठाए गए प्रश्नों की संख्या शामिल होती है। लोकसभा और राज्यसभा के 17 सांसदों के साथ-साथ दो संसदीय स्थायी समितियों को प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार 2025 प्राप्त करने के लिए नामित किया गया है। नामांकन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर की अध्यक्षता वाली जूरी समिति द्वारा किया गया था, जिसे केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है। ये पुरस्कार जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15वें संसद रत्न पुरस्कार समारोह में प्रदान किए जाएंगे। महाराष्ट्र के सांसद नरेश गणपत म्हस्के (शिवसेना), स्मिता उदय वाघ (भाजपा), गायकवाड़ वर्षा एकनाथ (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), प्रोफेसर मेधा विश्राम कुलकर्णी (भाजपा) और अरविंद गणपत सावंत (शिवसेना यूबीटी) को संसद रत्न पुरस्कार के लिए घोषित किया गया है।

धनगुरू नानक दरबार डेरा संत बाबा थाहीरिया सिंह साहिब में महान कीर्तन दरबार का आयोजन

प्रसिद्ध पंजाबी गायक और संगीतकार अमनदीप सिंह की शानदार प्रस्तुतियों से झूमे संगत के लोग।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. अभी हाल ही में उल्हासनगर क्रमांक 3 स्थित प्रसिद्ध धनगुरू नानक दरबार डेरा संत बाबा थाहीरिया सिंह साहिब और आदि अम्मा ग्रुप के सौजन्य से इच्छा पूरक 40 दिन के उपलक्ष्य में दरबार हॉल में महान कीर्तन दरबार का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें पंजाब अमृतसर से आए प्रसिद्ध पंजाबी गायक और संगीतकार अमनदीपसिंह ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दरबार में आए संगत के लोगों और सैकड़ों श्रद्धालुओं को आनंदित किया और भक्तिरस से विभोर कर दिया। दरबार प्रमुख भाईसाहब त्रिलोचन सिंह साहिब उर्फ टिल्लू भाईसाहब ने बताया कि इस महान कीर्तन दरबार में संगत के सैंकड़ों लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। अमृतसर से पधारे भाई साहब अमनदीप सिंह ने अपनी गायन शैली से सिख धर्म गुरुओं की शिक्षाओं को गीत संगीत के माध्यम से संगत के सभी लोगों को भक्तिरस से भर कर मंत्रमुग्ध कर दिया।

नेविगेशन स्क्रीन से नवी मुंबई मनपा मुख्यालय में वांछित अनुभाग तक पहुंचना हुआ आसान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

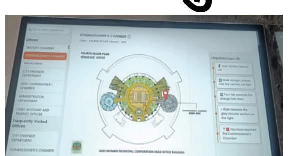

नवी मुंबई , मनपा मुख्यालय भवन को अनेक नागरिक विभिन्न प्रयोजनों से देखने आते हैं। यह भवन प्रतिष्ठित डिजाइन का है, इसलिए विभिन्न गणमान्य व्यक्ति और पर्यटक भी मुख्यालय भवन को देखने आते हैं। यह भवन एक भव्य और विशिष्ट गोलाकार संरचना है, इसलिए यहां दिशासूचक चिह्न लगाए गए हैं, ताकि नागरिकों को यह समझने में मदद मिल सके कि कौन सा विभाग किस मंजिल पर और किस दिशा में है। इसकी जानकारी डिजिटल स्क्रीन पर भी प्रकाशित की गई है। अधिक अद्यतन प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए, एक कियोस्क-शैली 'नेविगेशन स्क्रीन' स्थापित की गई है, जिससे नागरिकों के लिए अपने इच्छित विभाग और अधिकारी के कार्यालय को ढूंढना आसान हो गया है। यह नेविगेशन स्क्रीन टचस्क्रीन के रूप में है और मुख्यालय की प्रत्येक मंजिल का आरेख प्रदर्शित करती है। वहां से, यदि नागरिक नेविगेशन स्क्रीन पर संबंधित विभाग या अधिकारी के पदनाम को स्पर्श करते हैं, तो उन्हें लिफ्ट से उतरने के बाद जाने की दिशा दिखाई जाती है। इसी प्रकार मार्ग भी लिखित रूप में दशार्या गया है। नागरिकों की सुविधा के लिए नेविगेशन स्क्रीन पर मराठी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रदर्शित किया गया है, तथा नागरिकों द्वारा सबसे अधिक देखे जाने वाले अनुभागों को भी प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान में, यह नेविगेशन स्क्रीन भूतल पर केंद्रीय लिफ्ट के बगल में एक स्टैंड पर स्थापित की गई है, और ऐसी नेविगेशन स्क्रीन कुल चार मंजिलों पर स्थापित की जा रही हैं। इससे नागरिकों को सीधे उस विभाग या अधिकारी के पास जाने में सुविधा होगी जिनसे उन्हें काम है ।आयुक्त डॉ.कैलाश शिंदे ने कहा कि मनपा से संबंधित सभी कार्य नवीनतम तकनीक का उपयोग कर नागरिकों द्वारा आसानी से किए जाने चाहिए। उन्होंने मनपा से संबंधित सभी सार्वजनिक सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तर्ज पर, आधुनिक प्रौद्योगिकी पर जोर दिया गया है। नेविगेशन स्क्रीन का प्रभावी उपयोग किया गया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों को मनपा मुख्यालय में विभागों या अधिकारियों के कार्यालयों को खोजने में कोई कठिनाई न हो।

अमृतवेला ट्रस्ट उल्हासनगर की ओर से एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर संपन्न

शिविर में आमदार कुमार आयलानी और भाजपा अध्यक्ष राजेश वधारिया ने उपस्थिति दर्ज की।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर के प्रसिद्ध अमृतवेला ट्रस्ट द्वारा संचालित नानक रोटी ट्रस्ट की इकाई हेल्पिंग बेजुबान ट्रस्ट द्वारा आयोजित और भविष्य फाउंडेशन की टीम हम हैं वॉयस फॉर वॉयसलेस के सहयोग से शहर के बेजुबान जानवरों विशेषकर कुत्तों और बिल्लियों के लिए निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर 18 मई को यात्री गार्डन, खेमानी, उल्हासनगर क्रमांक 2 में दोपहर 1 बजे से सायंकाल 4 बजे तक पशु चिकित्सक डॉ.श्रवण सिंह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध पशुप्रेमी श्यामला राव मैडम को भी याद करते हुये उनके योगदान को सराहा गया। उक्त शिविर का उद्घाटन अमृतवेला ट्रस्ट के संस्थापक श्री रिंकुवीर सिंह जी के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर स्थानीय आमदार कुमार आयलानी, नवनियुक्त भाजपा शहर अध्यक्ष राजेश वधारिया, दिपक छतलानी, राज चांदवानी व अन्य नेताओं ने उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर बेजुबानों के लिये श्मशान भूमि की उपलब्धता कराने के लिए दशमेश पिता युवा सिख लबाना संघटन की तरफ से हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्री शताब्दी पर भाजपा का अभियान

पूर्व मंत्री सुरेश राणा बोले– महिला सशक्तिकरण समेत कई क्षेत्रों में किया काम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, भाजपा कार्यालय पर रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्री शताब्दी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और जिला प्रभारी सुरेश राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भाजपा सांसद अरुण सागर ने पदाधिकारियों के साथ उनका स्वागत किया। सुरेश राणा ने बताया कि रानी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 1725 में हुआ था। उनकी त्री शताब्दी के अवसर पर भाजपा ने व्रत अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में दूरदर्शी निर्णय लिए। जल संरक्षण के लिए जलाशय बनवाए। नदियों और घाटों का विकास करवाया। मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। पूर्व मंत्री ने कहा कि रानी अहिल्याबाई के कार्य वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी आज की पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए।

यह भाजपा और सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि उस काल में किए गए शानदार कार्यों से लोगों को अवगत कराया जाए।

उल्हासनगर में जर्जर और टूटे हुए सार्वजनिक शौचालयों की जमीन निजी उपयोग में लाई जा रही है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर क्षेत्र में जर्जर और टूटे हुए सार्वजनिक शौचालयों की जमीन हड़प कर अपने निजी उपयोग में लाना एक आम बात सी हो गई है। एक समय था उल्हासनगर में सैंकड़ों की संख्या में सार्वजनिक शौचालय हुआ करते थे परन्तु इन भू माफियाओं और अतिक्रमणकारियों के कारण आज कितने बचे है इसकी गिनती उंगलियों पर की जा सकती है। इसका एक उदाहरण वर्तमान में बैरक न 951 प्रेस बाजार उल्हासनगर क्रमांक 3 में टूटे हुए सार्वजनिक शौचालय के रूप में देखा जा सकता है जिसे हड़प कर निजी उपयोग में लाने का प्रयास चल रहा है। इससे पूर्व भी इसको हड़पने के प्रयास हो चुके हैं। स्थानीय समाजसेवी महेश लीलवाणी ने इस अतिक्रमण पर प्रशासन का ध्यानकेंद्रित कराया है और आग्रह किया है कि इस शौचालय का पुनर्निर्माण कराकर इसे अतिक्रमणकारियों से बचाएं।

शाहजहांपुर में अपराधों की समीक्षा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने क्राइम मीटिंग में जिले के सभी थाना प्रभारियों के साथ पिछले एक महीने के अपराधों की समीक्षा की। एसपी ने हत्या, लूट, चोरी, बलात्कार और साइबर क्राइम के लंबित मामलों में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। विवेचना की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए एसपी ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले विवेचकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल-कॉलेज के बाहर एंटी रोमियो स्क्वाड तैनात किए जाएंगे। साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। चोरी रोकने के लिए रात्री गश्त बढ़ाई जाएगी। बाजार, एटीएम और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। थानों में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संतोषजनक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एसपी ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अपराध नियंत्रण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,

2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ

3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)

4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी

5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा

6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

पाकिस्तान में लश्कर आतंकी सैफुल्लाह मारा गया

अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी, 2006 में आरएसएस मुख्यालय पर हमले का मास्टरमाइंड था

एजेंसी

लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह मारा गया है। सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध में मतली फलकारा चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। सैफुल्लाह को कब गोली मारी गई इसकी जानकारी नही है। सैफुल्लाह नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम कर रहा था। वह नेपाल में विनोद कुमार के नाम से काम करता था। उसने नेपाली महिला नगमा बानू से शादी की थी। सैफुल्लाह भारत में आतंकियों की घुसपैठ और आर्थिक मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा उर्फ बाबाजी का सहयोगी था।

सैफुल्लाह 2006 में नागपुर के आरएसएस मुख्यालय पर हुए हमले में शामिल था। इसके अलावा 2008 में उत्तर प्रदेश के रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हुए आतंकी हमले और 2005 आईआईएससी बेंगलुरु पर हमले की साजिश में भी इसका हाथ था। इससे पहले लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का मोस्ट वांटेड आतंकी अबू कताल 15 मार्च की रात पाकिस्तान में मारा गया था। पंजाब राज्य में अनजान हमलावरों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। अबू कताल 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी था। कताल एलईटी का अहम सदस्य था और जम्मू-कश्मीर में कई हमलों की साजिश रचने के लिए जाना जाता था। पिछले साल 9 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में शिवखोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर हमले में भी कताल का हाथ था। इसमें 10 लोगों की जान गई थी। मुफ्ती शाह मीर को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 14 मार्च को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। मुफ्ती मीर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा करने में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद की थी। नमाज के बाद वह मस्जिद से बाहर निकल रहा था। तभी बाइक सवार हमलावरों ने घात लगाकर उस पर हमला कर दिया और कई गोली मारी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ह्यूमन ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी) और हथियारों की तस्करी में शामिल मुफ्ती मीर इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम का मेंबर था।

गाजा में इजराइली हमला- एक दिन में 125 की मौत

2 महीने बाद सबसे बड़ा हमला; राहत शिविरों को भी निशाना बनाया

एजेंसी

इजराइली सेना ने रविवार को गाजा में कई इलाकों में हवाई हमले किए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इन हमलों में एक दिन में 125 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। पिछले 2 महीनों में यह इजराइल का सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले 18 मार्च को इजराइल के हमले में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। बीते 4 दिनों से गाजा पट्टी में इजराइल ने हमले तेज कर दिए हैं। इन 4 दिनों में अब तक लगभग 400 लोग मारे जा चुके हैं। इजराइल ने गाजा पर कंट्रोल के लिए 5 मई को गिदोन चैरियट्स मिलिट्री ऑपरेशन की शुरूआत की थी। इजराइल का कहना है कि वह तब तक अपना

ऑपरेशन जारी रखेगा, जब तक हमास खत्म नही हो जाता। इजराइल ने मार्च 2025 में गाजा के अंदर फूड और फ्यूल सप्लाई रोकने का फैसला किया था। इजराइली सरकार ने दावा किया था कि इससे हमास कमजोर होगा। गाजा में बीते 19 महीनों से जारी जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है। साथ ही 21 लाख लोगों को अकाल का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इजराइल-हमास संघर्ष में अब तक 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वठ के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने कहा कि उनके पास खाने का स्टॉक खत्म हो गया है। ज्यादातर बेकरियां और दान से चलने वाले किचन बंद हो चुके हैं। गाजा के लिए वठ के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) के डायरेक्टर एंटोनी रेनार्ड के मुताबिक इस इलाके की आबादी को खिलाने के लिए जरूरी भोजन इजराइल, मिस्र और जॉर्डन के गोदामों में पड़े हैं। ये गोदाम गाजा से महज 40 किमी दूर हैं। रेनार्ड ने कहा कि गाजा में डब्ल्यूएफपी के गोदाम खाली हैं और एजेंसी अब 10 लाख लोगों को भोजन मुहैया कराने के बजाय सिर्फ सिर्फ 2 लाख लोगों का ही भोजन बना पा रही है। यूएन और यूरोपीय देशों ने इजराइल से गाजा पट्टी में भुखमरी और अकाल की स्थितियों से निपटने के लिए गाजा को खाना पहुंचाने पर लगी रोक को जल्द खत्म करने की मांग की है। अगर इजराइल ने सैन्य कार्रवाई बढ़ाई, तो ज्यादातर लोगों को खाना, पानी, आश्रय और दवाइयां नहीं मिलेंगीं। इराक की राजधानी बगदाद में शनिवार को अरब लीग शिखर सम्मेलन की शुरूआत हुई।

रूस ने यूक्रेन पर 273 ड्रोन दागे

3 साल में सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया; पुतिन बोले – जंग की वजह को खत्म करना मकसद

एजेंसी

कीव, रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 273 ड्रोन से हमला किया। यूक्रेन की एयरफोर्स के मुताबिक 3 साल से चली आ रही जंग में यह रूस का अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। इस हमले में एक 28 वर्षीय यूक्रेनी महिला की मौत हो गई है, जबकि एक बच्चे समेत 3 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन की संसद के स्पीकर रुस्लान स्टेफनचुक के मुताबिक हमले की वजह से 9 घंटे तक एयर सायरन बजते रहे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने रविवार को कहा कि उनका मकसद रूस-यूक्रेन जंग की वजह को खत्म करना है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने रूसी सरकारी मीडिया से बात करते हुए यह बयान दिया। तुर्किये के इस्तांबुल शहर में 16 मई को रूस-यूक्रेन के बीच जंग रोकने को लेकर पहली बातचीत हुई। इस बैठक में दोनों देशों का प्रतिनिधिमंडल हुआ।

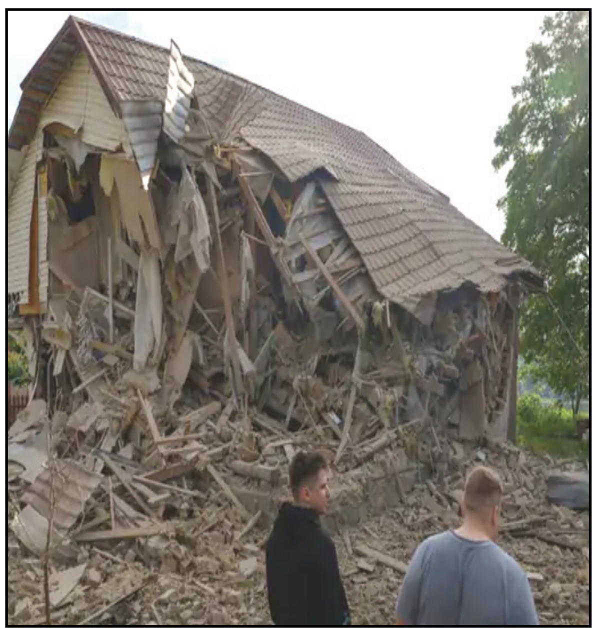

बैठक की मध्यस्थता तुर्किये ने की। यह बातचीत सिर्फ 90 मिनट चली। दोनों देशों में जंग रोकने को लेकर सहमति नहीं बन पाई। यूक्रेनी अधिकारी के मुताबिक बातचीत के लिए कम से कम अस्थायी सीजफायर की शर्त रखी गई थी जिसे मानने से रूस ने इनकार कर दिया। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से जंग जारी है। बीते 3 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब दोनों देशों के बीच शांति को लेकर सीधी बातचीत हुई। इससे पहले शांति वार्ता में हिस्सा लेने के लिए पहले जेलेंस्की और पुतिन के शामिल होने की चर्चाएं थीं लेकिन गुरुवार को क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन इसमें शामिल नहीं होंगे।

पुतिन ने शांति वार्ता में न पहुंचने के फैसले के बाद ट्रम्प ने कहा, मुझे नहीं लगता कि जब तक पुतिन और मैं एक साथ नहीं आते, तब तक कुछ भी होने वाला है, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं। लेकिन हमें इसे हल करना होगा क्योंकि बहुत से लोग मर रहे हैं।

हालांकि क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि पुतिन की आने वाले दिनों में ट्रम्प से मिलने की कोई योजना नहीं है। जेलेंस्की ने बातचीत से पहले साफ कहा है कि यूक्रेन कभी भी उन इलाकों को रूस का हिस्सा नहीं मानेगा, जो अभी रूस के कब्जे में हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शांति वार्ता आगे बढ़ेगी, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन से समझौता नहीं करेगा।

जमीन यूक्रेन की है और यह हमेशा यूक्रेन की ही रहेगी। रूस बार-बार यह मांग करता रहा है कि यूक्रेन के चार इलाके और क्रीमिया को रूस का हिस्सा माना जाए।

क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने पहले इशारा दिया था कि शायद यूक्रेन अब अपने सभी पुराने इलाकों को वापस नहीं पा सकेगा।

मेक्सिकन नेवी शिप न्यूयॉर्क में ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया

19 लोग घायल, 2 की मौत; जहाज पर 250 से ज्यादा लोग सवार थे

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका के न्यूयॉर्क में मेक्सिकन नेवी का ट्रेनिंग जहाज कुआउतेमोक ईस्ट रिवर पर बने ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। न्यूयॉर्क पुलिस डिपार्टमेंट के मुताबिक, यह घटना शनिवार शाम को 8:30 बजे हुई। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें जहाज का ऊपरी हिस्सा ब्रिज से टकराता नजर आ रहा है। न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया कि जहाज के टकराने से 19 लोग घायल हो गए और 2 की मौत हो गई। जबकि

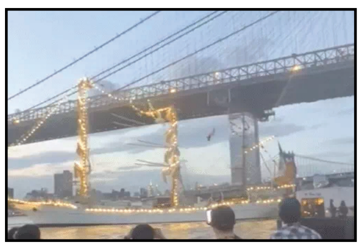

2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मीडिया के अनुसार, कुआउतेमोक पर 277 क्रू मेंबर थे। यह जहाज न्यूयॉर्क में एक फ्रेंडली टूर पर आया था। न्यूयॉर्क की इमरजेंसी क्राइसिस मैनेजमेंट एजेंसी (एनवाईसीईएम) ने कहा कि वे इस घटना की जांच कर रहे हैं। ब्रिज के डेक की ऊंचाई 127 फीट है, जबकि जहाज के टावर (मस्तूल) की ऊंचाई 158 फीट है। जहाज और ब्रिज के डेक की ऊंचाई में करीब 31 फीट का अंतर था, यही हादसे की वजह बना। अधिकारियों ने बताया कि यह जहाज न्यूयॉर्क पियर 17 से आइसलैंड की तरफ जा रहा था। कुआउतेमोक जहाज 297 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा है। यह 1982 में पहली बार चला था। हर साल नेवल स्कूल की कक्षाएं खत्म होने के बाद यह कैडेट्स की ट्रेनिंग के लिए रवाना होता है। इस साल 6 अप्रैल को यह मेक्सिको के अकापुल्को बंदरगाह से 277 लोगों के साथ रवाना हुआ था। जहाज को 15 देशों के 22 बंदरगाहों, जैसे किंग्स्टन (जमैका), हवाना (क्यूबा), कोजुमेल (मेक्सिको), न्यूयॉर्क, रेकजाविक (आइसलैंड), बोर्डो, सेंट मालो, डंकर्क (फ्रांस), और एबरडीन (स्कॉटलैंड) में रुकना था। कुल 254 दिन की यात्रा में 170 दिन समुद्र में बीतने थे। हादसे की वजह से 142 साल पुराने ब्रुकलिन ब्रिज को बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

ओवैसी ने नये वक्फ कानून को बताया असंवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट से जताई न्याय की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नये वक्फ कानून को असंवैधानिककरार देते हुए आरोप लगाया है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को नष्टकरना है। उन्होंने इस मामले में उच्चतम न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद जतायी। ओवैसी ने शनिवार को एक साक्षात्कार में यह भी सवाल उठाया कि जब विभिन्न मुद्दों के लिए कई अलग-अलग कानून हैं, तो समान नागरिक संहिता (यूसीसी) समान कैसे हो सकती है। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वक्फ (संशोधन) अधिनियम की सराहना करने वालों को चुनौती दी कि वे बताएं कि नये कानून में कौन सी धाराएं अच्छी हैं। ओवैसी ने सवाल किया, मुझे बताएं कि यह किस तरह से प्रगतिशील कानून है? मुझे एक प्रावधान बताएं, जिससे वक्फ की संपत्ति बचेगी। मुझे एक प्रावधान बताएं, जिससे वक्फ की आय में वृद्धि होगी और एक प्रावधान जिससे अतिक्रमणकारियों को हटाया जाएगा। ओवैसी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के एक सदस्य थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नया कानून वक्फ को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। एआईएमआईएम

उन्होंने कहा कि दाऊदी बोहरा चाहते थे कि उन्हें वक्फ कानून के दायरे से बाहर रखा जाए। ओवैसी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है और दावा किया है कि यह कानून संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

प्रमुख ओवैसी ने कहा, आपने (पिछले कानून से) अच्छे प्रावधानों को हटा दिया। मुझे बताइये कि (नये कानून में) कौन सी धाराएं अच्छी हैं... न तो सरकार और न ही उनके समर्थन में बैठे लोग बता पाएंगे। उन्होंने कहा, हमें उच्चतम न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद है, क्योंकि यह एक असंवैधानिक कानून है। उनकी यह टिप्पणी पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय द्वारा यह कहे जाने के बाद आयी है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं के संबंध में अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर 20 मई को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के अधिकार समेत तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के मामले में दलीलें सुनेगी। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित याचिकाओं में उठाया गया है। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है।

आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे गौरव गोगोई...

असम के सीएम ने लगाया बड़ा आरोप

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे. हमारे पास वह दस्तावेज है. वह वहां प्रशिक्षण लेने गए थे. गौरव गोगोई पाकिस्तान के गृह विभाग से पत्र मिलने के बाद वहां गए थे. वह पाकिस्तान सरकार के निमंत्रण पर वहां गए थे. विदेश मंत्रालय, सांस्कृतिक मंत्रालय नहीं, वह पाकिस्तान के गृह विभाग के निमंत्रण पर वहां गए थे. यह एक गंभीर मामला है. इसके बाद और भी ठोस कार्रवाई की जाएगी.

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया था और उन्होंने पड़ोसी देश के प्रतिष्ठान के साथ करीब से काम किया था। सीएम सरमा ने यहां एक आधिकारिक कार्यक्रम के मौके पर पत्रकारों से कहा कि सरकार के पास इस दावे के समर्थन में दस्तावेजी सबूत हैं और उचित सत्यापन के बाद हर सबूत 10 सितंबर तक जनता के सामने पेश किया जाएगा। उन्होंने दावा किया, ह्यह्यगौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। मैं यह पहली बार कह रहा हूं। हमारे पास इसके दस्तावेज हैं। वह पर्यटन के उद्देश्य से नहीं गए थे। वह निश्चित रूप से प्रशिक्षण लेने के लिए वहां गए थे। सीएम सरमा ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता पाकिस्तान सरकार के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे और यह खतरनाक था। उन्होंने कहा, ...वह पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ करीब से काम कर रहे थे। गृह विभाग कब निमंत्रण भेजता है? यह केवल प्रशिक्षण देने के लिए होता है। सीएम सरमा ने कहा, विदेश मामलों (विभाग) या किसी विश्वविद्यालय से आमंत्रण मिलना एक अलग बात है। यह विदेश मामलों या सांस्कृतिक विभागों से नहीं था। वह पाकिस्तान के गृह विभाग के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के पास गोगोई के कृत्यों के सबूत हैं और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा, उनके सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। हमने सबूत देख लिए हैं। बस हमें कागजात हासिल करने के लिए सितंबर तक का समय चाहिए। हमें एक नोटिस जमा करना होगा और फिर दूतावास हमें दस्तावेज उपलब्ध करायेगा। दस सितंबर अंतिम तारीख है और कृपया उस समय तक इस बारे में फिर से न पूछें। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस सांसदः प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के चार नेताओं को जगह मिली है. ये हैं डॉ अमर सिंह, मनीष तिवारी, शशि थरूर और सलमान खुर्शीद. सरकार ने सांसदों के नाम पार्टियों से मांगे थे. कांग्रेस ने जिन चार सांसदों के नाम भेजे थे उनमें सदन के उपनेता गौरव गोगोई का नाम शामिल था. लेकिन, केंद्र सरकार ने उनके नाम पर विचार नहीं किया. जिसके बाद राजनीति गरमाने लगी.

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें झारखंड से वापस भेजने को विशेष बल गठित करे सरकारः चंपई

भाजपा नेता चंपई सोरेन ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में महिलाएं अब सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर गलत काम करने वालों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया।

एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें राज्य से निर्वासित करने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का आग्रह किया। चंपई सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है, जो आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा है। चंपई सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, मैं देश में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। अब, मैं राज्य सरकार से झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करने के लिए एक कार्य बल गठित करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने दावा किया कि राज्य, विशेष रूप से आदिवासी बहुल संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी घुसपैठियों के कारण बदल रही है।

नेताओं के विदेश दौरे पर जाने को लेकर महबूबा मुफ्ती बड़ा बयान

बोलीं- 'अच्छा होता अगर केंद्र सरकार...'

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में समझाने के लिए अलग-अलग देशों में सांसदों को भेजना एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन अब कूटनीति भी अंतिम उपाय नहीं रह गया है.

एजेंसी

आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत सरकार कई दलों के नेताओं अलग-अलग देशों में भेजेगी. वहीं इस पर अब जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ केंद्र सरकार को संसद का विशेष सत्र भी बुलाती तो ज्यादा अच्छा होता.महबूबा मुफ्ती ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, ₹ऑपरेशन सिंदूर के बारे में समझाने के लिए अलग-अलग

देशों में सांसदों को भेजना एक स्वागत योग्य कदम है. आज की दुनिया में, जहां युद्ध से सिर्फ विनाश होता है और यह अब एक अच्छा विकल्प नहीं रह गया है, यहां तक कि अंतिम उपाय के रूप में भी कूटनीति हमारा सबसे प्रभावी साधन नहीं है.उन्होंने आगे लिखा, ₹हालांकि, यह ज्यादा अच्छा और लोकतांत्रिक होता अगर सरकार आंतरिक रूप से इस मामले पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र भी बुलाती, साथ ही साथ विदेश में प्रतिनिधिमंडल भी भेजती.₹वहीं तंगधार गांव के दौरे पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, ₹लोगों को नुकसान हो रहा है. लोगों की शिकायत है कि कई जगहों पर घर का ढांचा तो सही है, लेकिन गोलाबारी की वजह से अंदर से क्षतिग्रस्त हो गया है और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने इस पर ठीक से ध्यान नहीं दिया है. 1 लाख 20 हजार रुपये का मुआवजा पर्याप्त नहीं है. सरकार को आर्थिक सहायता बढ़ानी चाहिए. उनके घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और वे युद्ध भी नहीं चाहते। वे शांति चाहते हैं. अगर युद्ध होता है तो उनका क्या दोष? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस समय उन्हें स्कूल और अस्पताल की मांग करनी चाहिए थी.

संक्षेप

ब्राह्मण समाज का अखिलेश के खिलाफ प्रदर्शन

सपा के विवादित पोस्ट पर पुतला दहन किया, बोले-2027 में भुगतना होगा अंजाम

सुलतानपुर, ब्राह्मण समाज ने समाजवादी पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट गेट के सामने रविवार को अखिलेश यादव का पुतला फूंका गया। यह कार्रवाई समाजवादी पार्टी की आईटी सेल द्वारा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को लेकर किए गए विवादित पोस्ट के विरोध में की गई। प्रदर्शन में शामिल सनी मिश्रा ने कहा कि ब्राह्मण समाज भारतीय संस्कृति का आधार है। उन्होंने चेतावनी दी कि 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। कृष्ण नारायण तिवारी ने बृजेश पाठक के विषय में की गई टिप्पणी की निंदा की। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज देश का प्रबुद्ध वर्ग है। दो दिन पहले समाजवादी पार्टी के एक्स हैंडल से उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य को लेकर विवादित पोस्ट किया गया था। इस पोस्ट के बाद से भाजपा लगातार सपा पर हमलावर है।

गोमती नदी में मिला शव

मौत का कारण अज्ञात, मामले की जांच में जुटी पुलिस

सुलतानपुर, गोमती नदी के किनारे कुड़वार पुल के नीचे बरासिन ग्राम सभा की तरफ एक शव मिला है। रविवार सुबह करीब 6 बजे शौच के लिए गए ग्रामीणों ने शव को देखा। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को सूचित किया। ग्रामीणों ने वलीपुर चौकी को इसकी जानकारी दी। चौकी इंचार्ज अनिल सक्सेना अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। मौके पर मौजूद लोगों ने शव की पहचान की। मृतक की पहचान जीतलाल उर्फ मठलू ओझा के रूप में हुई। वह थाना बल्दीराय क्षेत्र के ग्राम सभा गोविंदपुर का रहने वाला था। अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

पति और देवर ने महिला को पीटा

सुलतानपुर में पत्नी का हाथ तोड़ा, जान से मारने की धमकी दी, एफआईआर दर्ज

सुलतानपुर, अखंड नगर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। दसऊपुर गांव की रहने वाली फातमा ने अपने पति अब्बास और देवर शाह आलम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्जकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दिया है। फातमा के मुताबिक, उनके पति अब्बास और देवर शाह आलम ने उन्हें गालियां दीं। इसके बाद दोनों ने लाठी-डंडों और लात-घूसों से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में फातमा का दाहिना हाथ टूट गया और शरीर पर कई चोटें आईं। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है।

वीडियो काल कर फंदे से लटका हाईकोर्ट का युवा अधिवक्ता

लाइव सुसाइड देख भाई ने पुलिस भेजा, दरवाजा तोड़ा तब तक हो चुकी थी मौत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक युवा अधिवक्ता ने अपने डॉक्टर भाई को वीडियो कॉल किया और उसके बाद लाइव रहते हुए फांसी लगाकर जान दे दी। उनकी इस हरकत से भाई के होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस अधिवक्ता का मोबाइल कब्जे में लेकर जांच कर रही है। आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। जौनपुर के रहने वाले 30 वर्षीय मिथिलेश राज गौतम इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत करते थे। शिवकुटी में उनकी बहन का मकान है। उसी मकान में वह रहते थे। बहन परिवार के साथ बाहर रहती हैं। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को करीब चार बजे मिथिलेश हाईकोर्ट से अपने कमरे पर लौटे थे। अपने डॉक्टर भाई शरद कुमार को वीडियो कॉल किया। आयुर्वेदाचार्य डॉक्टर शरद से बातचीत के दौरान अधिवक्ता ने कहा कि वह फांसी लगाकर जान दे देगा। इससे पहले कि डॉक्टर शरद को कुछ समझ आता, अधिवक्ता ने कमरे में फांसी का फंदा बनाना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने मोबाइल को डिस्कनेक्ट नहीं किया था। फांसी की बात सुनकर डॉक्टर भाई ने घबराकर उसके दोस्तों व रिश्तेदारों को संपर्क किया।

इसके साथ ही पुलिस को भी सूचना दी। कुछ देर बाद ही आसपास के परिचित लोग वहां पहुंच गए। लेकिन अधिवक्ता के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। शिव कुटी थाने की पुलिस पहुंची तो पुलिस के सामने दरवाजा तोड़ा गया।

कमरे के अंदर अधिवक्ता फांसी के फंदे पर लटके मिले। जांच के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि हर एंगल पर जांच की जा रही है। कमरे की तलाशी ली गई, वहां कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अधिवक्ता की अभी शादी नहीं हुई थी।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत

सेना और बीएसएफ के दो जवान समेत तीन घायल, एसआरएन अस्पताल रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, मेजा थाना क्षेत्र में सिरसा पुलिस चौकी के पास सड़क हादसा हुआ। चौकी गांव में सुबह दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। तीन लोग घायल हुए हैं। मृतक की पहचान करछना थाना क्षेत्र के झिरी लच्छीपुर निवासी शिवा निशाद के रूप में हुई। वह अपने दोस्त दुर्गेश निशाद के साथ बाइक से बारात से लौट रहा था। घायलों में हंडिया के सतीश (भारतीय सेना जवान) और रामजी गुप्ता (बीएसएफ जवान) शामिल हैं। दोनों जवान हंडिया से मेजा में बारात से वापस आ रहे थे। सूचना मिलते ही सिरसा पुलिस मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस न मिलने पर पुलिस ने अपने वाहन से घायलों को सीएचसी रामनहर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों को एसआरएन अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे का कारण तेज रफ्तार और उड़ती धूल थी। चालकों की आंख में धूल पड़ने से बाइक बेकाबू हो गईं। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बारात जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

- अमेठी के पेंटर की अज्ञात वाहन से टक्कर मौत, 3 बच्चों और बूढ़ी मां का था एकमात्र सहारा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, शुकुल बाजार निवासी 35 वर्षीय सतीश कुमार की शनिवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। सतीश अपनी बाइक से हैदरगढ़ के कुमेदान पुरवा में एक बारात में शामिल होने जा रहे थे। हैदरगढ़-रायबरेली रोड पर नैनखेरा चौराहे से पहले एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में सतीश के सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सतीश पेंटिंग का काम करते थे। वह अपनी पत्नी, तीन बच्चों और बूढ़ी मां का एकमात्र सहारा थे। थानाध्यक्ष बाजार शुकुल दयाशंकर मिश्र के अनुसार, घटना बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में हुई है। परिजन यदि कार्यवाही के लिए प्रार्थना पत्र देते हैं, तो वहां की पुलिस से संपर्क कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक संघ की बैठक में उठे कई अहम मुद्दे

ओपीएस बहाली, वेतनमान और एरियर भुगतान पर हुई चर्चा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक अध्यापक भवन सिरवारा रोड पर आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई बैठक सरस्वती वंदना से शुरू हुई। जिलामंत्री राम आशीष मौर्य ने संगठन का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन अनुशासन से चलता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संगठन हमेशा शिक्षकों के साथ खड़ा रहेगा। बैठक में मूल अभिलेख सत्यापन, ओपीएस बहाली और शिक्षा मित्र से सहायक अध्यापक बने शिक्षकों की पुरानी पेंशन बहाली पर चर्चा हुई। ब्लॉक अध्यक्ष दूबेपुर रमेश तिवारी ने बताया कि ग्रीष्मावकाश में सभी शिक्षकों के लेजर और लेखा पर्ची तैयार करा ली जाएंगी। जिला कोषाध्यक्ष विनय प्रजापति ने चयन वेतनमान की समस्याओं को रखा। जिलाध्यक्ष ने एरियर भुगतान के लिए समयबद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र तिवारी, संगठन मंत्री फिरोज अहमद, अरुण सिंह समेत कई पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

भाजपा की तिरंगा यात्रा

- पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय सिंह के नेतृत्व में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता डॉ. संजय सिंह ने किया। यात्रा आर आर पीजी कॉलेज से शुरू हुई। इसमें भाजपा नेता, कार्यकर्ता, कॉलेज के छात्र और एनसीसी कैडेट्स शामिल हुए। यात्रा ने कस्बे का भ्रमण किया और फिर कॉलेज परिसर में समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि यह यात्रा पाकिस्तान पर भारत की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में निकाली गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य को पूरी दुनिया ने देखा है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के सीज संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि वे चाहे जो बोलें, आज देश की सोच अलग है। भाजपा देशभर में इसी तरह की तिरंगा यात्राएं निकाल रही है।

जिले का सबसे बड़ा गांजा तस्कर गिरफ्तार

कार में रखा था गांजा, तहखाने से मिला 100 किलो माल; करोड़ों की संपत्ति का मालिक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बाराबंकी की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना मिली कि अमेठी के गौरीगंज क्षेत्र में एक बलेनो कार में भारी मात्रा में अवैध गांजा लाया गया है। सूचना मिलते ही टीम ने उच्च अधिकारियों से अनुमति लेकर कार्रवाई शुरू की। गौरीगंज की सम्राट फैक्ट्री के पास खड़ी संदिग्ध कार की जांच की गई, जिसमें छुपाकर रखे गए गांजे के कई पैकेट बरामद हुए। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसके घर में भी गांजे का बड़ा भंडारण है। पुलिस उपाधीक्षक बीनू सिंह के नेतृत्व में टीम ने आरोपी त्रिलोचन गिरी के घर पर छापेमारी की। छानबीन में गौशाला और तहखाने से नीचे गाड़कर रखा गया 100 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ लग्जरी कार, हजारों कैश और दस्तावेज भी मिले छापेमारी के दौरान टीम ने आरोपी के घर से दो लग्जरी कारें, 30,600 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन, और आधार कार्ड बरामद किया। त्रिलोचन को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ गौरीगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 20, 29 और 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। अरबों की संपत्ति का मालिक निकला तस्कर पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि त्रिलोचन गिरी जिले का सबसे बड़ा गांजा तस्कर है।

उसने तस्करी के जरिए अरबों की संपत्ति खड़ी कर ली है। उसका रामनगर के गोंसाई जंगल में करोड़ों का आलीशान मकान है। गौरीगंज कस्बे और हाईवे पर तीन आलीशान मकान हैं, जबकि लखनऊ में भी उसकी करोड़ों की प्रॉपर्टी है।

एमबीबीएस छात्रा और वकील में मारपीट

एक-दूसरे पर थप्पड़ बरसाए, युवती बोली- मिलने के लिए होटल बुलाया; देर हुई तो गाली दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, एमबीबीएस छात्रा व वकील में मारपीट हो गई। छात्रा का कहना है कि मुकदमे के संबंध में वकील ने होटल में बुलाया था। मैं देरी से पहुंची तो वकील गाली देने लगा। मुझे गुस्सा आ गया और उसके गाल पर थप्पड़ जड़ दिए। जवाब में वकील ने भी छात्रा को थप्पड़ मारे। मारपीट होते देख वहां लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस दोनों लोगों को अपने साथ लेकर आ गई। मामला बन्ना देवी थाना क्षेत्र का है। छात्रा ने बताया- मुकदमे को लेकर वकील से मुलाकात हुई बन्नादेवी की रहने वाली एक युवती ने बताया, मैं एम्स से एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा हूं। मेरा एक मुकदमा अदालत में लंबित है। इस मुकदमे के सिलसिले में मेरी मुलाकात वकील से हो गई। वह आए दिन मुझे केस का बहाना कर बात करने लगा। फिर उसने मेरा शोषण शुरू कर दिया। आरोप लगाया- वह मुझे कभी न कभी किसी न किसी बहाने होटल बुलाने लगा। बताया- 17 मई को भी वकील ने केस के संबंध में बात करने के लिए आवास विकास कॉलोनी के एक होटल में बुलाया। मुझे पहुंचने में देर हो गई। मैं होटल के बाहर पहुंची तो वहां पहले से ही वकील खड़े थे। देर से पहुंचने पर वकील ने मुझे गाली दे दी। वकील ने भी छात्रा के गाल पर मारे थप्पड़ मुझे गुस्सा आ गया और मैंने वकील के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। जवाब में वकील ने भी थप्पड़ छात्रा के मार दिया। इसके बाद छात्रा ने वकील को धक्का दे दिया। छात्रा और वकील के बीच मारपीट होते देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने बीच बचाव कर छात्रा और वकील को अलग किया। इसी बीच सूचना पर पुलिस पहुंच गई। मारपीट का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। थाना अध्यक्ष बन्ना देवी पंकज मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। देर रात तक दोनों थाने में रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने यमुना नदी में लगाई छलांग

बचाने के लिए भांजा भी कूदा, दोनों गंभीर रूप से घायल, आगरा रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, थाना जमुनापार क्षेत्र में पति पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पत्नी ने यमुना में कूद कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। महिला के यमुना में कूदने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे भांजे ने मामी को बचाने के लिए यमुना में छलांग लगा दी। इस घटना में महिला और उसका भांजा गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना जैंत क्षेत्र के गांव धौरेरा में रहने वाली महिला रानी का पति मुकेश से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे क्षुब्ध होकर रानी वृंदावन स्थित पानीगांव पुल पर पहुंची। रानी ने यमुना में कूदने से पहले परिजनों को फोन किया और बताया कि उसे अब कोई न तलाशे वह यमुना में कूदकर आत्महत्या करने जा रही है। रानी का फोन आते ही परिजन उसे बचाने को पानीगांव पुल पर पहुंच गए। जहां परिजनों को देख रानी ने पुल से करीब 35 फीट नीचे बह रही यमुना में छलांग लगा दी। मामी को यमुना में कूदते देख उसे बचाने के लिए भांजा विष्णु भी यमुना में कूद पड़ा। लेकिन यमुना में जलस्तर कम होने की बजह से दोनों बच गए पर गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एक दिन में 82 वारंटी और वांछित अपराधी गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पुलिस ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान 'समग्र' के तहत जिले के सभी थानों की पुलिस टीमों ने 82 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वारंटी और वांछित अपराधियों के खिलाफ की गई है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को आगे की कार्रवाही के लिए न्यायालय भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक ने इस अभियान को आगे भी जारी रखने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन का लक्ष्य जनपदवासियों को अपराधमुक्त वातावरण प्रदान करना है। यह अभियान अपराधियों को कड़ा संदेश देने और जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सपा आईटी सेल का डिप्टी सीएम पर विवादित पोस्ट

अमेठी में भाजपा कार्यकताओं ने अखिलेश यादव का पुतला फूंका, नारेबाजी की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, समाजवादी पार्टी के आईटी सेल द्वारा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की माता के बारे में किए गए विवादित पोस्ट ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। इस पोस्ट के विरोध में आज अमेठी में भाजपा कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। अमेठी कस्बे के राजर्षि तिराहे पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला दहन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सपा आईटी सेल ने उपमुख्यमंत्री की माता के बारे में अमर्यादित और अशोभनीय पोस्ट किया। इस कृत्य से भाजपा कार्यकताओं के साथ-साथ समूचे ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त है। यह विवाद दो दिन पहले समाजवादी पार्टी के एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से किए गए पोस्ट से शुरू हुआ।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी